नई दिल्ली
21
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
जून, 2026 वर्ष : 14
रविवार अंक : 81

अनोखे अंदाज़ और निराले टेवर के साथ इन्साफ की डगर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

RNI No. DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

Email : timesofpedia@gmail.com

भारत ने अफ़गानिस्तान को 9 विकेट से हराकर सीरिज 3-0 से जीती 07

जादू-टोना के शक में डॉक्टर ने की मेड की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के एक पॉश इलाके में एक डॉक्टर ने अपनी घरेलू सहायिका की निर्मम हत्या कर दी। आरोप है कि डॉक्टर को अपनी मेड पर जादू-टोना करने का शक था, जिससे उसने बेटे की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने पहले बेट से हमला कर बाद में धारदार हथियार से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस पूछताछ में डॉक्टर ने बताया कि उसे लगता था कि मेड मीना घर में नकारात्मक ऊर्जा ला रही थी, जिससे बेटे की पढ़ाई में बाधा आ रही थी। इसी बात से आहत होकर उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। डॉक्टर ने यह भी बताया कि उसने कुछ समय पहले घर वालों से मीना को नौकरी से हटाने के लिए कहा था, लेकिन उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया था। हालांकि, पुलिस जांच में एक नया पहलू सामने आया है। आरोपी की पत्नी और बेटे ने बताया है कि डॉक्टर गुप्ता मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और एंटी-डिप्रेशन की दवाएं ले रहे थे। परिवार के सदस्यों के अनुसार, वह मानसिक रूप से ठीक नहीं थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि डॉक्टर ने हत्या के पीछे अभी तक कोई ठोस वजह नहीं बताई है और वे मानसिक स्वास्थ्य के पहलू पर भी गहराई से जांच कर रहे हैं। वारदात के बाद आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

डांस कार्यक्रम के बहाने बुलाया, 13 लोगों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

पटना (एजेंसी)। बिहार के दानापुर अनुमंडल के नौबतपुर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। झारखंड की रहने वाली दो बहनों ने आरोप लगाया है कि उन्हें एक तिलक समारोह में डांस प्रोग्राम के लिए बुलाया गया था, जहां उन्हें बंधक बनाकर 13 लोगों ने बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़ित बहनों ने नौबतपुर थाना में संयुक्त एफआईआर दर्ज कराई है, जिसमें बेलूरा रामपुर निवासी मुन्ना कुमार समेत 10 नामजद और 3 अज्ञात लोगों पर आरोप लगाया गया है। 18 जून को हुई इस वारदात के बाद, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक आरोपी मुन्ना कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िताओं का मेडिकल और कानूनी प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है, साथ ही उन्हें काउंसलिंग और सुरक्षा भी प्रदान की गई है। घटनास्थल से एफएसएल टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है और सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है।

इंडिगो विमान पर बिजली गिरने से यात्रियों में मची अफरा-तफरी

कोलकाता (एजेंसी)। एयरपोर्ट पर शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब अगरतला जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान पर अचानक आसमानी बिजली गिर गई। तेज गरज-चमक और मूसलाधार बारिश के बीच हुई इस घटना के बाद विमान का पावर सिस्टम अचानक बंद हो गया, जिससे 141 यात्रियों और 6 क्रू सदस्यों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि विमान उस वक्त हवा में नहीं, बल्कि कोलकाता एयरपोर्ट के एक एयरोब्रिज पर खड़ा था। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई6068 सुबह करीब 9:30 बजे एयरोब्रिज 56एल पर खड़ी थी, तभी तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के बीच उस पर बिजली गिरी। बिजली गिरने के असर से विमान का पावर सिस्टम अचानक बंद हो गया, जिसे 'सडन पावर ऑफ' स्थिति कहा गया। विमान के भीतर मौजूद यात्री और क्रू सदस्य अचानक हुई इस घटना से भौंचक्के रह गए। बाहर लगातार चमकती बिजली और गरज के साथ हो रही बारिश ने अंदर के माहौल को और भी डरावना बना दिया था। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बिना किसी देरी के सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए और सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकाला। इसके बाद सभी यात्रियों को एक दूसरे विमान एटीआर321 में शिफ्ट किया गया। मूल रूप से सुबह 9:20 बजे उड़ान भरने वाली यह फ्लाइट आखिरकार करीब साढ़े तीन घंटे की देरी के बाद दोपहर 12:50 बजे अगरतला के लिए रवाना हो सकी। घटना के दौरान दो ग्राउंड स्टाफ भी बिजली के प्रभाव की चपेट में आए। उन्हें एहतियातन अस्पताल ले जाया गया, जहां मेडिकल जांच के बाद उन्हें तुरंत छुट्टी दे दी गई। उनकी हालत पूरी तरह सामान्य बताई जा रही है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम की आशंका को देखते हुए एयरपोर्ट ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (एओसीसी) ने पहले ही मौसम संबंधी अलर्ट जारी कर दिए थे। दरअसल, शुक्रवार सुबह से ही कोलकाता और आसपास के जिलों में तेज आंधी, तूफान और मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है और सड़कों पर यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

कोचिंग फायरिंग मामले में खान सर को मिली बड़ी राहत, कोर्ट में केस डायरी पेश

पटना (एजेंसी)। कोचिंग फायरिंग मामले में फैजल खान उर्फ खान सर को राहत मिली। शनिवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई में पुलिस ने कोर्ट में अपडेटेड केस डायरी पेश की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैजल खान को मिला अंतरिम संरक्षण 25 जून तक बढ़ा दिया है यानी अगली सुनवाई तक खान सर की गिरफ्तारी नहीं होगी। इतना ही नहीं, मामले में नामजद खान पक्ष के अन्य लोगों को भी कोर्ट ने 'नो कोर्सिव एक्शन' की राहत दी है। उनके खिलाफ भी फिलहाल कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। बता दें पूरा विवाद 2 जून को उस समय सामने आया, जब पटना के दो प्रमुख कोचिंग संस्थानों के बीच तनाव बढ़ गया। ज्ञान बिंदु कोचिंग और खान ग्लोबल स्टडीज से जुड़े लोगों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हुए। इसी दौरान खान सर ने आरोप लगाया कि कोचिंग पर हमला और फायरिंग की गई। मामले में दोनों पक्षों की ओर से गंभीर आरोप लगाए गए। घटना के बाद ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद और उनके भाई प्रिंस यादव के नाम भी विवाद में आया। खान ग्लोबल स्टडीज के एक कर्मचारी कन्हैया सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस जांच के बाद रौशन आनंद को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया था। हालांकि 12 दिन बाद उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई। जेल से बाहर आने के बाद रौशन आनंद ने खान सर पर गंभीर आरोप लगाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल के विराटनगर में एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह खान सर की कोचिंग पर हुए हमले के मामले में नामजद था। गिरफ्तारी के डर से नेपाल में रह रहा था। घटना के बाद मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया। राजद नेता तेज प्रताप यादव ने भी इस मामले में बयान देकर निष्पक्ष जांच की मांग की थी, साथ ही रौशन आनंद ने अपने भाई प्रिंस यादव की मौत को भी संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

केंद्र सरकार पर लट्टू हुई टीएमसी सांसद महुआ, करने लगीं तारीफ

–सवाल : क्या टीएमसी छोड़ भाजपा में जाएंगी सांसद

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी आंतरिक घमासान और बगावती सुरों के बीच, पार्टी की तेजतर्रार नेता और सांसद महुआ मोइत्रा के एक ट्वीट ने पश्चिम बंगाल के राजनीतिक गलियारों में अचानक हलचल मचा दी है। यह हलचल इसलिए और बढ़ गई है क्योंकि उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लिखे गए एक पत्र की तस्वीर साझा करते हुए केंद्र सरकार की अप्रत्याशित रूप से सराहना की है। मोइत्रा के इस कदम के बाद कयासों का बाजार गर्म है कि क्या वे भी टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ छोड़कर टीएमसी के बागी नेताओं की सूची में शामिल हो सकती हैं, विशेषकर तब जब हाल के दिनों में उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा और उसके नीतियों की जमकर आलोचना की थी।

बता दें कि टीएमसी के 29 में से 20 लोकसभा सांसद ममता बनर्जी का साथ छोड़ चुके हैं, जिनमें युसूफ पठान जैसे नाम भी शामिल हैं। इतने बड़े पैमाने पर दलबदल ने पार्टी को कमजोर किया है, और अभिषेक बनर्जी ने स्पीकर ओम बिरला से मिलकर इन सदस्यों की सदस्यता रद्द करने की मांग भी की थी। ऐसे नाजुक मोड़ पर महुआ मोइत्रा का यह ट्वीट, टीएमसी के लिए एक और चुनौती बनकर उभरा है, जिससे पार्टी में चल रही टूट की आशंका और गहरी हो गई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि महुआ मोइत्रा का यह कदम उनके राजनीतिक भविष्य और टीएमसी की आंतरिक गतिशीलता पर क्या प्रभाव डालता है।

महुआ के इस बयान को पश्चिम बंगाल में टीएमसी के भीतर चल रही अंदरूनी कलह से सीधे तौर पर जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर असंतोष की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं और कई प्रमुख नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। यह विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण हो जाता है जब ममता बनर्जी स्वयं केंद्र सरकार पर लगातार संघीय ढांचे का उल्लंघन करने, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग करने और पश्चिम बंगाल के प्रति सौतेला व्यवहार अपनाने का आरोप लगाती रही हैं। ऐसे में महुआ मोइत्रा का केंद्र की सराहना करना राजनीतिक पंडितों को यह सोचने पर मजबूर कर रहा है कि क्या वे भी बगावती रुख अख्तियार करने वाले नेताओं की कतार में शामिल हो रही हैं?

महुआ मोइत्रा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लिखे गए एक आधिकारिक पत्र की तस्वीर साझा की। इस पत्र में रक्षा मंत्री ने मोइत्रा द्वारा उठाए गए एक महत्वपूर्ण मुद्दे की सराहना की थी। मोइत्रा ने अपने ट्वीट में लिखा, राजनाथ सिंह जी, सशस्त्र बलों की विकलांगता पेंशन पर इनकम टैक्स छूट जारी रखने के प्रति आपकी सहानुभूति के लिए आपका धन्यवाद। उम्मीद है कि वित्त मंत्रालय के अधिकारी भी वैसी ही सहानुभूति दिखाएंगे और इस आपत्तिजनक प्रस्ताव को कभी आगे नहीं बढ़ाएंगे। जय हिंद। मोइत्रा का यह ट्वीट, जहां एक ओर रक्षा बलों के हित में उनकी चिंता को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर इसका राजनीतिक महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि यह उस समय आया है जब टीएमसी और केंद्र सरकार के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं।

राजनाथ सिंह ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि मोइत्रा ने लोकसभा में नियम 377 के तहत उस मामले को उठाया था, जिसमें सेवा के दौरान घायल हुए लेकिन रिटायरमेंट तक ड्यूटी जारी रखने वाले सशस्त्र बलों के कर्मियों की विकलांगता पेंशन पर इनकम टैक्स छूट हटाने के फैसले की समीक्षा करने की बात कही गई थी। रक्षा मंत्री ने अपने पत्र में यह भी बताया कि इस मामले की गंभीरता से जांच की गई है और जानकारी मिली है कि रक्षा बलों के कर्मियों को दी जाने वाली विकलांगता पेंशन पर इनकम टैक्स छूट का मामला वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। हालांकि, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वित्त अधिनियम 2026 के नोट 12 में कहा गया है कि अधिसूचित संशोधन उस तारीख से या उसके बाद लागू होंगे, जिसे केंद्र सरकार इस संबंध में अधिसूचित करेगी। ऐसी अधिसूचना जारी होने तक भारतीय सशस्त्र बलों के विकलांग अधिकारियों की पूरी विकलांगता पेंशन यानी विकलांगता वाला हिस्सा और सेवा वाला हिस्सा इनकम टैक्स से मुक्त रहेगी।

पिछले साल निकाली थी रैली, अब ममता-अभिषेक को थमाया नोटिस

कोलकाता(एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी और महासचिव अभिषेक बनर्जी को अवमानना मामले में नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। यह मामला पिछले साल 21 जुलाई को आयोजित शहीद दिवस रैली के दौरान सड़कों को अवरुद्ध करने संबंधी अदालत के निर्देशों के कथित उल्लंघन से जुड़ा है। याचिकाकर्ता के वकील श्रीकांत दत्ता ने न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी और न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रे की खंडपीठ के समक्ष यह मामला रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत के साल 2018 के उस आदेश की अवमानना की गई, जिसमें आयोजनों के दौरान मुख्य सड़कों को पूरी तरह से अवरुद्ध न करने का निर्देश दिया गया था। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ज्योतिर्मय भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी की खंडपीठ ने तब स्पष्ट निर्देश दिए थे कि ऐसी सड़कों पर पैदल चलने वालों और आपातकालीन वाहनों की आवाजाही के लिए रास्ता हमेशा खुला रखा जाना चाहिए।

शुक्रवार को अपनी अवमानना याचिका दायर करते हुए दत्ता ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस की ओर से पिछले साल 21 जुलाई को आयोजित शहीद दिवस रैली के दौरान उच्च न्यायालय के इस स्पष्ट आदेश का उल्लंघन किया गया, जिससे कोलकाता के एस्प्लेनेड इलाके में मुख्य सड़कें पूरी तरह से जाम हो गईं और सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। खंडपीठ ने इस दावे पर संज्ञान लेते हुए ममता और अभिषेक को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। अदालत ने यह भी बताया कि इस मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को निर्धारित की गई है। तृणमूल कांग्रेस हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाती है। यह दिवस 1993 की उस घटना की याद में मनाया जाता है, जब तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान एस्प्लेनेड में ममता बनर्जी के नेतृत्व में आयोजित एक युवा कांग्रेस रैली पर पुलिस गोलीबारी में 13 कार्यकर्ता मारे गए थे। ममता ने 1990 के दशक के अंत में कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था और तब से यह रैली उनकी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक आयोजन रही है।

12 साल एनडीए को कोसा, अब उसी के साथ खड़े हो गए: थरूर

–सिद्धांतहीन राजनीति पर बरसे कांग्रेस नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में हुई हालिया टूट और उसके बागी सांसदों द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। एक बातचीत में थरूर ने इस कदम को लालच, फायदे या धमकियों का परिणाम बताया और भारतीय राजनीति में बढ़ती सिद्धांतहीनता पर गहरा खेद व्यक्त किया। थरूर ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि इन दलबदलुओं के पीछे सत्ताधारी पार्टी की शक्ति और प्रलोभन ही काम कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए 20 लोकसभा सांसदों के गुट का जिक्र किया, जिन्होंने खुलकर एनडीए के साथ जुड़ने की घोषणा की है। थरूर ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, ये वही सांसद हैं जो पिछले 12 सालों से एनडीए पर लगातार हमले करते रहे हैं। ऐसे में अचानक उनमें यह गुण दिखना, यह दर्शाता है कि हमारे देश की राजनीति बिना सिद्धांतों वाली हो गई है, और यह बेहद दुखद है। यह राजनीतिक उठापटक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद सामने आई, जब पार्टी को आंतरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सबसे पहले 58 विधायकों ने बगावत का झंडा उठाया और विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में सोवनदेब चट्टोपाध्याय को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसके कुछ ही समय बाद संसद में भी मुश्किलें बढ़ीं, जहाँ तीन राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दे दिया और फिर 20 लोकसभा सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी में शामिल होकर एनडीए का समर्थन करने का फैसला किया। थरूर ने जोर दिया कि राजनीतिक नेताओं को अपने विचारों और सिद्धांतों पर अडिग रहना चाहिए, लेकिन उनका मुख्य मकसद हमेशा देश के हित में काम करना होना चाहिए। उन्होंने कहा, अपनी सोच पर अडिग रहें और मिलकर रचनात्मक ढंग से काम करें। मैंने हमेशा कहा है कि दूसरी तरफ वाले आपके दुश्मन नहीं हैं। वे आपके विरोधी हैं और आपका काम देश के सामूहिक हित के लिए काम करना है। कांग्रेस नेता ने आगे स्पष्ट किया कि राजनीति का अर्थ यह होना चाहिए कि आप मानते हैं कि आपका तरीका दूसरों के तरीके से बेहतर है, और यह देश के लिए एक बेहतर दृष्टि प्रदान करता है। उन्होंने जोर दिया कि राजनीति में बने रहने का मूल तर्क ही यही है कि आपके पास एक ऐसा विजन हो जिससे एक बेहतर भारत और एक बेहतर समाज का निर्माण हो सके।

यूपी-बिहार को है बारिश का इंतजार, बंगाल समेत 16 राज्यों में झमाझम का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो हफ्ते के ब्रेक के बाद दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के एक बार फिर रफ्तार पकड़ने की संभावना है। पूर्वोत्तर के राज्यों में मॉनसून का पूरा असर दिख रहा है। बंगाल में मूसलाधार बारिश की वजह से कई जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। जबकि यूपी और बिहार बारिश का इंतजार कर रहे हैं। इधर, मौसम विभाग ने 16 राज्यों में तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 12 घंटे के अंदर ही पूर्वी यूपी, बिहार, महाराष्ट्र और दिल्ली में मौसम करवट ले सकता है। कई जगहों पर हवा की रफ्तार 90 किमी प्रतिघंटे तक भी जा सकती है। साथ ही हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। राजधानी दिल्ली में फिलहाल दो दिन ज्यादा बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि आज मौसम सुहावना हो सकता है। अधिकतम तापमान में भी लगभग 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी। 20 और 21 जून को कई जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। 24 जून से तापमान बढ़ने की संभावना है। मौसम के जानकारों का कहना है कि जुलाई के पहले सप्ताह में मॉनसून दिल्ली पहुंच सकता है। आम तौर पर 27 जून तक मॉनसून दिल्ली पहुंच जाता था।

पूर्वी यूपी को तड़पाएगी गर्मी, बिहार में हीटवेव

मौसम विभाग ने पूर्वी यूपी में भीषम गर्मी का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ, बाराबंकी और सीतापुर में लू का कहर देखने को मिलेगा। इसके अलावा बरेली, हरदोई, शाहजहांपुर, बहराइच, उन्नाव, कानपुर, गोंडा, अयोध्या, गोरखपुर, अमेठी, प्रयागराज, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली में भी लू चलेगी। पूर्वी यूपी में 24 जून को बारिश हो सकती है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में शनिवार को भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बिहार तक मॉनसून पहुंचने के बाद भी यहां जमुई, भागलपुर, गया, बक्सर, गोपालगंज, भोजपुर, पश्चिमी चंपारण, नवादाद, मुंगेर, रोहतास, सारण, बांका और सिवान में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। 23 जून से इन इलाकों में मॉनसूनी बारिश हो सकती है।

यहां 12 घंटे में बरसेंगे बादल

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 12 घंटे में यूपी, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, गोवा, केरल, ओडिशा, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, असम, सिक्किम, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में बारिश हो सकती है।

बंगाल में बारिश का अलर्ट

पश्चिम बंगाल में मूसलाधार बारिश की वजह से कई जगहों पर बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। दार्जिलिंग में एक पुल बह गया। शनिवार को भी पश्चिमी बर्धमान, पुरुलिया, नदिया, बांकुरा, मुर्शिदाबाद, बीरभूम, हुगली और उत्तर 24 परगना में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

पहाड़ों पर होगी झमाझम बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ी राज्यों जैसे कि जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल के कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के चमोली, पिथौरागढ़, रूद्र प्रयाग, टिहरी गढ़वाल और नैनीताल में 20 जून को गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 25 जून तक कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश के सोलन, कुल्लू, मंडी, कांगड़ा, चंबा, शिमाल, हमीरपुर और सिरमौर में भी बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में ऊंचाई वाले इलाकों में 22 जून तक अच्छी बारिश हो सकती है।

आज पीएम मोदी नौसेना को सौंपेंगे तीन स्वदेशी युद्धपोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना नीले समंदर में अपनी ताकत और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए लगातार स्वदेशी युद्धपोतों को अपने बेड़े में शामिल कर रही है। इसी कड़ी में कल 21 जून का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में आयोजित एक खास समारोह में एक साथ तीन अत्याधुनिक वॉरशिप को नेवी में शामिल करेंगे। यह देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूती देने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इन तीन महत्वपूर्ण युद्धपोतों में गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट दूनागिरी, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अग्रेह और सर्वे वेसेल लार्ज संशोधक शामिल हैं। इन जहाजों का बेड़े में शामिल होना भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल क्षमताओं में अभूतपूर्व वृद्धि करेगा और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा। प्रोजेक्ट 17ए के तहत निर्मित पांचवां गाइडेड स्टेल्थ फ्रिगेट दूनागिरी, अपनी श्रेणी में एक उन्नत युद्धपोत है। यह पूर्ववर्ती आईएनएस दूनागिरी का आधुनिक स्वरूप है, जिसने 1977 से 2010 तक नौसेना की सेवा की थी। दूनागिरी को कम समय में बनाया गया है, जो भारतीय इंजीनियरिंग और निर्माण क्षमताओं का प्रमाण है। यह युद्धपोत ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली, बराक-8 लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, आधुनिक एयर डिफेंस गन, स्वदेशी टॉरपीडो वरुणास्त्र और अत्याधुनिक सोनार तथा कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम से लैस है। इसका 75 प्रतिशत से अधिक उपकरण स्वदेशी हैं और इसका डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। 6,700 टन वजनी यह फ्रिगेट 30 नॉट की अधिकतम गति से समुद्र में दुश्मनों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। दुश्मन की पनडुब्बियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए भारतीय नौसेना की एंटी-सबमरीन वॉरफेयर (एएसडब्ल्यू) शैलो वॉटर क्राफ्ट परियोजना के तहत अग्रेह को बेड़े में शामिल किया जा रहा है। यह अपनी श्रेणी का महत्वपूर्ण जहाज है, जो एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर, लाइटवेट टॉरपीडो, 30 मिमी नेवल गन, हल-माउंटेड सोनार और वैरिएबल डेप्थ सोनार जैसी प्रणालियों से लैस है। यह क्राफ्ट 25 नॉट की रफ्तार से चल सकता है और तटीय क्षेत्रों में 100 से 150 नॉटिकल मील तक दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने में सक्षम है, जिससे हमारी तटीय सुरक्षा मजबूत होगी। इससे पहले भी इस परियोजना के तहत कई अन्य जहाज नौसेना में शामिल किए जा चुके हैं। मुद्र की गहराई और उसके नीचे की स्थितियों को समझने तथा सुरक्षित नेविगेशन के लिए समुद्री चार्ट तैयार करने हेतु आधुनिक सर्वे जहाजों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कड़ी में, संशोधक नामक चौथा और आखिरी लार्ज सर्वे वेसेल नौसेना में शामिल होने जा रहा है। ये जहाज समुद्र तल की स्कैनिंग करने,

सुरक्षित नेविगेशन रूट के लिए समुद्री चार्ट तैयार करने और हाइड्रोग्राफिक सर्वे करने में माहिर हैं। जीआरएसई, कोलकाता में निर्मित संशोधक में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है और इसका डिजाइन भारतीय नौसेना के नेवल डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। 110 मीटर लंबा और लगभग 3,800 टन वजनी यह जहाज 18 नॉट की अधिकतम रफ्तार से 25 दिनों से अधिक समय तक समुद्र में सक्रिय रह सकता है, जो समुद्री नेविगेशन को सुरक्षित बनाने में अमूल्य योगदान देगा। इन तीन स्वदेशी युद्धपोतों का एक साथ नौसेना में शामिल होना भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का स्पष्ट प्रमाण है। यह न केवल भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल तैयारियों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी सुदृढ़ करेगा, जिससे देश की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा।

खुलासा : संघ के दफ्तर पर बम फेंकने के निर्देश दुबई में बैठे आवेश ने दिए

–पहले फायरिंग करने की थी योजना, हथियार नहीं मिलने से बदला प्लान

रांची (एजेंसी)। रांची में आरएसएस के ऑफिस पर पेट्रोल बम फेंकने की सोची-समझी साजिश थी। पुलिस के मुताबिक इसके बाद लखनऊ में भी हमले की योजना थी। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने यह जानकारी दी। पूछताछ में आरोपी अमन के मुताबिक पेट्रोल बम फेंकने का निर्देश दुबई से मिला था। दुबई में बैठे तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान के सदस्य आवेश राजपूत उर्फ राणा और शहजाद उर्फ शाहनवाज आलम उर्फ भट्ठी इसका मास्टरमाइंड है। हमले के बाद अमन अंसारी उर्फ गोलू और सैफ अंसारी उसी दिन ट्रेन से कानपुर रवाना हो गए थे, लेकिन रांची पुलिस ने दोनों को गझंडी स्टेशन से गिरफ्तार किया।

जानकारी के मुताबिक आरोपी अमन ने बताया कि सितंबर 2025 में वह नौकरी के लिए मुंबई गया था। वहां एजेंट ने उसे दुबई भेजा। वहां उसे मरमुम स्टार टेक्निकल सर्विस एलएलसी कंपनी में एसी बनाने का काम मिला। वीजा की तारीख समाप्त होने के बाद कंपनी के सुपरवाइजर ने उसे वापस मुंबई भेज दिया। इसके बाद वह झारखंड लौट आया। झारखंड आने के बाद अहमद अली ने उसकी फोन पर राणा से बात कराई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि राणा ने उसे आरएसएस दफ्तर पर पेट्रोल बम फेंकने के लिए तीन युवकों को तैयार करने के लिए कहा था। इसके बदले में अहमद ने अच्छे पैसे देने की बात कही थी।

आरोपी के मुताबिक दुबई में बैठे आवेश राजपूत ने 15 जून की रात उसके वॉट्सऐप पर रांची स्थित संघ के दफ्तर की तस्वीर और लोकेशन भेजी। आरोपी का दावा है कि उसे पेट्रोल बम फेंककर दफ्तर में आग लगाने का निर्देश दिया था। 16 जून की रात वह, सैफ और उनका साथी सायम सुजान आरएसएस दफ्तर पहुंचे। सैफ ने पेट्रोल बम फेंका, जबकि अमन घटना का वीडियो बना रहा था। पहला पेट्रोल बम नहीं फटा, जिसकी जानकारी राणा को दी गई। इसके बाद कथित तौर पर राणा ने दूसरा पेट्रोल बम फेंकने का निर्देश दिए। आरोपी के मुताबिक दूसरा पेट्रोल बम फेंकने के बाद विस्फोट हुआ और तीनों वहां से फरार हो गए।

पुलिस की पूछताछ में अमन ने बताया कि अगले दिन सुबह राणा का फोन आया और उसने रांची छोड़कर कानपुर जाने को कहा। कानपुर से उन्हें लखनऊ जाकर दूसरी वारदात को अंजाम देने का निर्देश दिया गया। अमन ने बताया कि उसने अपने दोस्त हैदर से एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड लिया। आरोपी के मुताबिक वह इस नंबर का इस्तेमाल अलग-अलग लोगों से बातचीत के लिए करता था। दुबई में मौजूद राणा ने 10 जून के बाद इसी नंबर से वॉट्सएप अकाउंट बनाया और उसका इस्तेमाल किया। पूछताछ में अमन ने बताया कि आवेश राजपूत उर्फ राणा और भट्ठी पहले गोलीबारी कराकर दहशत फैलाना चाहते थे।

अब राज्यसभा में एनडीए की निर्णायक बढ़त, कांग्रेस को मिली मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ।18 जून 2026 को हुए राज्यसभा चुनाव के बाद उच्च सदन के सियासी समीकरण पूरी तरह से स्पष्ट हो गए हैं, जिसने सत्ताधारी भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है। इन चुनावों के परिणाम ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की स्थिति को और कमजोर कर दिया है, हालांकि उसने तीन सीटों की मामूली बढ़त दर्ज करते हुए अपने कुल सांसदों की संख्या 27 से बढ़ाकर 30 कर ली है। लेकिन यह बढ़ोतरी भाजपा की 116 सीटों के मुकाबले कहीं नहीं ठहरती, जो सदन में सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। दोनों राष्ट्रीय दलों के बीच अब 86 सीटों का विशाल अंतर हो गया है, जो विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है।

हाल ही में 10 राज्यों की 26 सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव ने इन समीकरणों को और पुख्ता कर दिया है। इन चुनावों में एनडीए ने 19 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को केवल 6 सीटों से संतोष करना पड़ा। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के खाते में एक सीट गई। क्रॉस-वोटिंग और निर्विरोध निर्वाचन जैसी घटनाओं ने एनडीए की स्थिति को और मजबूत किया, जिससे विपक्षी गठबंधन को नुकसान उठाना पड़ा।

जनवरी 2026 में जे.पी. नड्डा के बाद नितिन नवीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पार्टी और एनडीए गठबंधन उच्च सदन में बेहद मजबूत स्थिति में हैं। कुछ हफ्ते पहले आम आदमी पार्टी (आप) में हुई बगावत के बाद राघव चड्ढा द्वारा सात राज्यसभा सांसदों को एनडीए के पाले में लाने से सत्ताधारी गठबंधन को अप्रत्याशित मजबूती मिली। इसके परिणामस्वरूप, मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई वाली कांग्रेस अब सिर्फ 30 सीटों पर ठिठक गई है, और पूरे इंडिया गठबंधन के पास कुल 63 सीटें हैं। राज्यसभा में संख्या बल की यह भारी कमी विपक्ष के लिए एक विकराल चुनौती बन गई है। इसका सीधा अर्थ यह है कि सरकार के किसी भी महत्वपूर्ण विधेयक या विधायी कामकाज को उच्च सदन में रोकना विपक्ष के लिए गणितीय रूप से नामुमकिन हो गया है। एनडीए अब निर्णायक बहुमत के साथ अपनी नीतियों को आसानी से पारित करा सकता है, जिससे आगामी वर्षों में देश की विधायी प्रक्रिया में उसकी पकड़ और मजबूत होगी।

झारखंड में कांग्रेस को बड़ा झटका

इन चुनावों में झारखंड में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। 18 जून को हुई दो सीटों पर वोटिंग में, सत्तारूढ़ इंडिया ब्लॉक के पास पर्याप्त बहुमत होने के बावजूद, क्रॉस-वोटिंग के कारण भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार प्रणव झा को पराजित किया। दूसरी सीट पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बैद्यनाथ राम ने जीत हासिल की। यह घटना विपक्ष की अंदरूनी कलह और बिखराव को

उजागर करती है, जिसका सीधा फायदा एनडीए को मिलता दिख रहा है।

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

ललित गर्ग

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ह्लचित्तवृत्ति निरोधह्व कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है।

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को 'चित्तवृत्ति निरोध' कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही 'विश्वगुरु भारत' की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को 'प्रेक्षा' अर्थात गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

संपादकीय

सेहत पर भारी विकास

इस बात में दो राय नहीं कि हरियाणा की समृद्धि में औद्योगिक विकास की बड़ी भूमिका रही है। जिसमें बड़ी संख्या में राज्य के लोगों को रोजगार भी मिला है। हरियाणा अपनी औद्योगिक सफलता की प्रेरक कहानी पर गर्व करता रहा है। मानेसर के ऑटोमोबाइल हब से लेकर राज्य भर में फैले मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा हुए हैं। निस्संदेह, इससे राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिली है। लेकिन इस विकास की दूसरी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे-बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है। लेकिन जिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को हम नाप कर नियंत्रित कर सकते हैं, उस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गई। सालभर चलने वाली औद्योगिक उत्सर्जन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष पर्यंत होने वाले औद्योगिक उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता खराब ही होती है। जिससे सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिलता है। ये स्थितियां लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट ही पैदा करती हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील इलाकों, विशेष रूप से देश के नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में काम करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही का अच्छे से पता होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इसके बावजूद हजारों इकाइयां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने में लगी हैं, वह भी हजारों लोगों की सांसों की कीमत पर। यह नियामक तंत्र द्वारा नियमों को लागू करने और जवाबदेही तय करने में बड़ी नाकामी को ही दशार्ता है। इस जटिल समस्या का समाधान सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वह बात अलग है कि कुछ छोटी और मध्यम दर्जे की कंपनियों को साफ-सुथरी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिये तकनीकी सहायता और आर्थिक मदद की जरूरत हो सकती है।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव ।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

राम-राम जपना,चढ़ावे का मालअपना ?

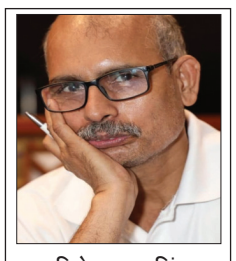

विनोद कुमार सिंह

भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं,भाषाई विविधता या सांस्कृतिक विरासत से नहीं होती,बल्कि उसकी गहरी धार्मिक चेतना और आस्था से भी होती है।यहाँ मंदिर केवल पूजा- अर्चना के स्थल नहीं हैं,बल्कि समाज की भावनाओं,विश्वासों और सांस्कृतिक निरंतरता के केंद्र भी हैं। करोड़ों लोग अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए मंदिरों में दान,दक्षिणा,चढ़ावा और सेवा अर्पित करते हैं।यह दान केवल आर्थिक लेन-देन नहीं होता,बल्कि भक्त और भगवान के बीच विश्वास का एक आध्यात्मिक सेतु होता है। यही कारण है कि जब किसी धार्मिक संस्था,ट्रस्ट या मंदिर के प्रबंधन को लेकर प्रश्न उठते हैं,तब मामला केवल प्रशासनिक या आर्थिक नहीं रह जाता,बल्कि सीधे- सीधे आस्था,विश्वास और जवाबदेही से जुड़ जाता है।

ऐसे समय में लोकजीवन में प्रचलित एक पुरानी कहावत अचानक चर्चा के केंद्र में आ जाती है- 'राम-राम जपना,चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत किसी धर्म, देवता या आस्था का उपहास नहीं करती,बल्कि उन प्रवृत्तियों पर व्यंग्य करती है जो धर्म और नैतिकता की बात तो करती हैं, किंतु व्यवहार में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से दूर दिखाई देती हैं। आज जब अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है,तब यह कहावत कुछ असहज किंतु आवश्यक प्रश्न भी खड़े करती है।अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक परियोजना नहीं था।यह स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक था।दशकों तक चले संघर्ष,सामाजिक विमर्श, राजनीतिक बहसों और न्यायिक प्रक्रिया के बाद जब मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, तब देश के कोने-कोने से लोगों ने इसे अपनी व्यक्तिगत आस्था का विषय मानकर सहयोग दिया। गाँवों से लेकर महानगरों तक,भारत से लेकर विदेशों तक,करोड़ों लोगों ने आर्थिक और भावनात्मक रूप से इस अभियान में भागीदारी की।

किसी ने एक रुपया दिया,किसी ने लाखों रुपये का दान किया।अनेक श्रद्धालुओं ने सोना,चाँदी,हीरे,मोती और बहुमूल्य रत्न अर्पित किए। कई परिवारों ने पीढ़ियों से संभालकर रखे गए आभूषण रामलला को समर्पित कर दिए। महिलाओं ने अपने विवाह के गहने तक दान कर दिए।बुजुर्गों ने अपनी जीवनभर की बचत का हिस्सा भगवान के चरणों में अर्पित किया। यह केवल आर्थिक योगदान नहीं था,बल्कि श्रद्धा,समर्पण और विश्वास की अभिव्यक्ति थी।

राम मंदिर आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी दिखाई दी। गरीब,मध्यमवर्गीय और संपन्न - सभी ने अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दिया।यही कारण है कि मंदिर से जुड़ा प्रत्येक संसाधन केवल संपत्ति नहीं,बल्कि करोड़ों लोगों के विश्वास का प्रतीक माना जाता है।लोगों ने यह मानकर दान दिया कि उनका योगदान भगवान राम के भव्य मंदिर और उससे जुड़े धार्मिक-सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति में लगेगा।भारतीय संस्कृति में दान और चढ़ावे की परंपरा अत्यंत प्राचीन है।मंदिरों को सदियों से समाज ने केवल पूजा स्थलों के रूप में नहीं,बल्कि लोककल्याण के केंद्र के रूप में भी देखा है।इतिहास गवाह है कि अनेक मंदिरों ने शिक्षा,चिकित्सा,सामाजिक सहायता और सांस्कृतिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रद्धालु जब मंदिर में चढ़ावा चढ़ाते हैं,तब वे केवल धन नहीं देते, बल्कि संस्था के प्रति अपना विश्वास भी सौंपते हैं।यही विश्वास किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है।यही कारण है कि जब चढ़ावे में प्राप्त बहुमूल्य वस्तुओं, आभूषणों और रत्नों के संबंध में किसी प्रकार की अनियमितता,चोरी अथवा अभिलेखीय विसंगतियों की चर्चा सामने आती है,तो समाज में स्वाभाविक रूप से चिंता उत्पन्न होती है।पिछले कुछ समय से विभिन्न माध्यमों में ऐसी खबरें और आरोप चर्चा का विषय बने कि श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई कुछ बहुमूल्य वस्तुओं के संबंध में प्रश्न उठे हैं।कुछ शिकायतों में यह आशंका व्यक्त की गई कि चढ़ावे में प्राप्त मूल्यवान वस्तुओं के रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति को लेकर पारदर्शिता अपेक्षित स्तर की नहीं है।इन चर्चाओं ने मामले को सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया और जाँच एजेंसियों की संभावित भूमिका को लेकर भी प्रश्न उठने लगे।यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी आरोप को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप,जाँच और न्यायिक निष्कर्ष तीन अलग-अलग चरण होते हैं।केवल आरोपों के आधार पर किसी संस्था या व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही जब मामला करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हो,तब उठ रहे प्रश्नों को केवल अफवाह कहकर खारिज कर देना भी उचित नहीं माना जा सकता।जनविश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों अनिवार्य हैं।राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि राष्ट्रीय भावना, सांस्कृतिक चेतना और सभ्यतागत स्मृति का प्रतीक है।इसीलिए उससे जुड़े प्रत्येक निर्णय,प्रत्येक व्यवस्था और प्रत्येक संसाधन पर समाज की निगाह रहती है। श्रद्धालु यह जानना चाहते हैं कि उनके द्वारा समर्पित धन और बहुमूल्य वस्तुओं का संरक्षण किस प्रकार किया जा रहा है,उनका लेखा-जोखा कैसे रखा जा रहा है,क्या स्वतंत्र ऑडिट की व्यवस्था है,क्या समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की जाती है तथा क्या चढ़ावे का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित और सत्यापित रूप में उपलब्ध है।ये प्रश्न किसी धर्म, व्यक्ति या संस्था विशेष के विरोध में नहीं हैं।वास्तव में ये प्रश्न उन करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा से जुड़े हैं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण को अपना व्यक्तिगत और सांस्कृतिक दायित्व मानकर सहयोग दिया था।लोकतांत्रिक समाज में पारदर्शिता को अविश्वास का प्रतीक नहीं,बल्कि विश्वास को और अधिक मजबूत करने का माध्यम माना जाता है।यहीं पर राम मंदिर निर्माण और उसके संचालन से जुड़ी प्रबंधन व्यवस्था तथा प्रबंधन समिति की भूमिका चर्चा के केंद्र में आ जाती है।किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान की विश्वसनीयता केवल उसकी भव्यता से निर्धारित नहीं होती।उसके प्रशासनिक मानक,वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।यदि प्रबंधन व्यवस्था पारदर्शी,व्यवस्थित और उत्तरदायी दिखाई देती है, तो श्रद्धालुओं का विश्वास स्वतः बढ़ता है।यदि कहीं अस्पष्टता या सूचना का अभाव दिखाई देता है,तो प्रश्न उठना स्वाभाविक हो जाता है।

जब किसी संस्था को जनता का व्यापक समर्थन और संसाधन प्राप्त होते हैं,तब उसके साथ जवाबदेही भी जुड़ जाती है।श्रद्धालु यह अपेक्षा करते हैं कि मंदिर से जुड़े सभी आर्थिक और प्रशासनिक कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित हों।यदि कहीं कोई शिकायत या संदेह उत्पन्न होता है, तो उसका समाधान तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर किया जाए। यही किसी भी प्रतिष्ठित संस्था की साख को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका है।भारत का संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था यह स्पष्ट करती है कि कोई भी संस्था कानून से ऊपर नहीं है।चाहे वह धार्मिक संस्था हो,सामाजिक संगठन हो,राजनीतिक दल हो अथवा कोई बड़ी कॉरपोरेट इकाई -सभी के लिए कानून समान है। इसलिए यदि किसी प्रकार की शिकायत सामने आती है,तो जाँच एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।हालाँकि जाँच एजेंसियों की भूमिका को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।किसी संस्था के विरुद्ध जाँच होना अपराध सिद्ध होने का प्रमाण नहीं होता।जाँच का उद्देश्य दोषी ठहराना नहीं,बल्कि सत्य तक पहुँचना होता है।यदि सब कुछ व्यवस्थित और पारदर्शी है, तो जाँच संस्था की विश्वसनीयता को और मजबूत कर सकती है।यदि कहीं कोई त्रुटि या अनियमितता है, तो उसका सामने आना भी आवश्यक है।यही कानून के शासन का मूल आधार है।दुर्भाग्य से समाज में अक्सर दो चरम स्थितियाँ देखने को मिलती हैं।एक वर्ग बिना किसी निष्कर्ष के ही आरोपों को सत्य मान लेता है।दूसरा वर्ग केवल भावनाओं के आधार पर हर प्रश्न को साजिश घोषित कर देता है।दोनों ही दृष्टिकोण स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं हैं।सत्य तक पहुँचने का मार्ग तथ्यों,प्रमाणों और निष्पक्ष जाँच से होकर गुजरता है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति में मर्यादा,न्याय और सत्य के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं।रामराज्य की अवधारणा केवल धार्मिक भावना नहीं,बल्कि सुशासन का आदर्श भी है।रामराज्य का अर्थ ऐसी व्यवस्था से है जहाँ शासन पारदर्शी हो,न्याय निष्पक्ष हो और जनता का विश्वास सर्वोपरि हो। वहाँ राजा स्वयं भी नैतिक जवाबदेही से मुक्त नहीं था। यही कारण है कि भगवान राम आज भी केवल धार्मिक श्रद्धा के विषय नहीं,बल्कि आदर्श शासन और नैतिक नेतृत्व के प्रतीक माने जाते हैं।यदि राम के नाम पर निर्मित किसी संस्था या व्यवस्था में पारदर्शिता की माँग उठती है,तो उसे विरोध के रूप में नहीं,बल्कि रामराज्य के आदर्शों के अनुरूप सुधार की प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।आखिर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन स्वयं सत्य,मर्यादा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है।इतिहास गवाह है कि धर्म का उद्देश्य सदैव समाज को नैतिक दिशा देना रहा है।मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं ने शिक्षा, सेवा, समाज-सुधार तथा जनकल्याण के अनेक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारतीय समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति सम्मान का एक बड़ा कारण उनकी सेवा-परंपरा भी रही है।इस कारण जब किसी प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था पर कोई प्रश्न उठता है, तो उसका प्रभाव केवल उस संस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास को भी प्रभावित करता है।समय-समय पर कुछ लोगों ने धर्म की आड़ में अपने निजी हितों को साधने का प्रयास भी किया है। ऐसे लोगों के कारण न केवल संस्थाओं की छवि प्रभावित होती है,बल्कि वास्तविक धार्मिक मूल्यों को भी क्षति पहुँचती है। यही कारण है कि समाज में यह कहावत जन्मी–'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत आज भी इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि यह मानव स्वभाव की उस कमजोरी की ओर संकेत करती है, जिसमें व्यक्ति धार्मिकता का प्रदर्शन तो करता है, किंतु उसके आचरण में ईमानदारी और जवाबदेही का अभाव होता है। यदि किसी धार्मिक संस्था में चढ़ावे या दान से संबंधित कोई अनियमितता होती है,तो वह केवल आर्थिक अपराध नहीं रह जाता। वह श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ भी विश्वासघात बन जाता है।

विश्वास किसी भी धार्मिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है। सोना-चाँदी और बहुमूल्य रत्नों की कीमत बाजार तय करता है,किंतु श्रद्धालुओं की भावनाओं की कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। इसलिए यदि कभी किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो,तो उसका समाधान शीघ्र,निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से होना चाहिए।

आज तकनीक ने पारदर्शिता के अनेक साधन उपलब्ध करा दिए हैं। डिजिटल रिकॉर्ड,ऑनलाइन ऑडिट,वीडियो निगरानी,संपत्ति का सार्वजनिक अभिलेखीकरण, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्टिंग जैसी व्यवस्थाएँ किसी भी धार्मिक संस्था की विश्वसनीयता को मजबूत कर सकती हैं।राम मंदिर जैसे विश्वस्तरीय धार्मिक केंद्र में ऐसी व्यवस्थाएँ केवल प्रशासनिक औपचारिकताएँ नहीं,बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास की सुरक्षा का माध्यम हैं।समय की माँग है कि धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बोझ नहीं,बल्कि प्रतिष्ठा का आधार माना जाए। जितनी बड़ी संस्था होगी, उतनी ही बड़ी जवाबदेही भी होगी। यह सिद्धांत लोकतंत्र, प्रशासन और धार्मिक संस्थाओं - सभी पर समान रूप से लागू होता है।

आवश्यकता इस बात की है कि आस्था और जवाबदेही को एक-दूसरे का विरोधी नहीं,बल्कि सहयोगी माना जाए।जहाँ पारदर्शिता होगी, वहाँ संदेह कम होंगे। जहाँ जवाबदेही होगी, वहाँ विश्वास मजबूत होगा।जहाँ विश्वास मजबूत होगा,वहाँ आस्था की गरिमा स्वतः सुरक्षित रहेगी।

अंततः 'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना' केवल एक व्यंग्यात्मक कहावत नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला दर्पण है। यह हमें याद दिलाती है कि धर्म का वास्तविक आधार ईमानदारी, सत्य,सेवा और नैतिकता है।राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है,इसलिए उससे जुड़ी हर व्यवस्था को संदेह से ऊपर, पारदर्शी और उत्तरदायी होना चाहिए।यदि कहीं कोई शिकायत है,तो उसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।यदि कोई आरोप है,तो उसका तथ्यात्मक परीक्षण होना चाहिए। यदि सब कुछ सही है, तो उसे सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाना चाहिए।इससे न केवल विवादों का समाधान होगा,बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा।

भगवान राम केवल श्रद्धा के नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और मर्यादा के भी प्रतीक हैं।राम के मंदिर की वास्तविक शक्ति उसकी भव्यता, ऊँचे शिखरों या बहुमूल्य चढ़ावों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में है जो करोड़ों लोगों ने उसमें समर्पित किया है।उस विश्वास की रक्षा करना ही आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।यही रामभक्ति की कसौटी है,यही सुशासन की पहचान है और यही वह मार्ग है जिस पर चलकर आस्था,पारदर्शिता और जवाबदेही तीनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

थाली-चम्मच के साथ जंतर-मंतर पर गूंजी युवाओं की आवाज

कॉकरोच जनता पार्टी का अनोखा प्रदर्शन, शिक्षा-रोजगार पर सरकार को घेरा

थाली चम्मच की आवाज से गूंजा जंतर-मंतर

प्रदर्शनकारियों ने थाली और चम्मच बजाकर भी अपना विरोध दर्ज कराया। बड़ी संख्या में लोग अपने साथ थाली-चम्मच लेकर पहुंचे और कुछ ही देर में पूरा जंतर-मंतर उनकी आवाज से गूंज उठा। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके के समर्थन में पहुंचे सुरेश ने बताया कि इसका उद्देश्य शांतिपूर्ण तरीके से अपनी उपस्थिति दर्ज कराना और आम लोगों की भागीदारी को प्रदर्शित करना है। प्रदर्शनकारी रीना ने इसे विरोध का अनोखा और प्रभावी तरीका बताया। वहीं बुजुर्ग प्रतिभागी रमेश ने कहा कि उन्होंने कई आंदोलनों को देखा है, लेकिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों और थाली-चम्मच के जरिए आयोजित प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम देखने को मिलते हैं।

वेब वार्ता, नई दिल्ली।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन का शनिवार को जंतर-मंतर पर एक अलग ही रूप देखने को मिला। पारंपरिक नारेबाजी और भाषणों के बजाय युवाओं ने रैप संगीत, देशभक्ति गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और थाली-चम्मच बजाकर अपने मुद्दों को उठाया। दिनभर चले इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान शिक्षा, रोजगार, युवाओं के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए।

सुबह से ही जंतर-मंतर पर लोगों का जुटना शुरू हो गया था। कोई हाथ में

गिटार लेकर पहुंचा तो कोई थाली और चम्मच के साथ। प्रदर्शन स्थल पर युवाओं के हाथों में विभिन्न मांगों और संदेशों वाले बैनर व तख्तियां भी दिखाई दीं। कई प्रतिभागियों ने समूह गीतों, कविताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी बात रखी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बदलते समय में केवल भाषणों के जरिए लोगों तक पहुंचना पर्याप्त नहीं है, इसलिए सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को विरोध के माध्यम के रूप में अपनाया गया।

रैप संगीत बना विरोध की नई आवाज

प्रदर्शन का सबसे बड़ा आकर्षण रैप संगीत रहा। युवाओं ने शिक्षा व्यवस्था, रोजगार, युवाओं के भविष्य और अन्य सामाजिक मुद्दों पर आधारित रैप प्रस्तुत किए। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर तैयार किया गया एक रैप गीत भी प्रस्तुत किया गया, जिसे बड़ी संख्या में युवाओं ने एक साथ गाया। प्रदर्शन में शामिल पवन ने कहा कि यह केवल विरोध कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं की भावनाओं को व्यक्त करने का मंच भी है। वहीं सन्नी ने कहा कि युवाओं की समस्याओं को नए और प्रभावी तरीकों से सामने लाने की जरूरत है, जबकि अमन के अनुसार ऐसे कार्यक्रम युवाओं को एकजुट करने का काम करते हैं।

देशभक्ति गीतों से बना भावनात्मक माहौल

रैप प्रस्तुतियों के बाद देशभक्ति गीतों का दौर शुरू हुआ। युवाओं ने समूह बनाकर कई लोकप्रिय देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। इस दौरान कई प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लिए दिखाई दिए, जिससे पूरे प्रदर्शन स्थल पर भावनात्मक और उत्साहपूर्ण माहौल बन गया। प्रदर्शनकारी नेहा ने कहा कि युवाओं का उद्देश्य केवल अपनी चिंताओं और समस्याओं को सामने रखना है। अंजली के अनुसार देशभक्ति का अर्थ देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर जागरूक रहना भी है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, रोजगार और सामाजिक परिस्थितियों पर भी चर्चा होती रही।

ट्रांसजेंडर समुदाय ने भी उठाई आवाज

प्रदर्शन में ट्रांसजेंडर समुदाय की भागीदारी भी विशेष रूप से देखने को मिली। समुदाय के कई सदस्य जंतर-मंतर पहुंचे और बच्चों तथा युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं को लेकर चिंता व्यक्त की। समुदाय से जुड़ी मन्नू ने कहा कि युवाओं को ऐसा वातावरण मिलना चाहिए, जहां वे बिना किसी डर के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। उज्जवल सिंह ने कहा कि आत्महत्या की घटनाएं केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करती हैं और इस मुद्दे पर सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

सोशल मीडिया पर भी प्रदर्शन को समर्थन

प्रदर्शन का असर सोशल मीडिया पर भी दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में युवा अपने मोबाइल फोन से वीडियो और तस्वीरें रिकॉर्ड करते रहे। प्रदर्शन समाप्त होने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े हैशटैग ट्रेंड करते रहे।

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो अपने सोशल मीडिया खातों पर साझा किए। प्रदर्शनकारी विवेक ने कहा कि आज के दौर में किसी भी आंदोलन की पहुंच केवल कार्यक्रम स्थल तक सीमित नहीं रहती। सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश देशभर के लोगों तक पहुंचता है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के छोटे वीडियो लोगों को मुद्दों पर चर्चा के लिए प्रेरित करते हैं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत और रचनात्मक विरोध के माध्यम से आयोजित यह प्रदर्शन दिनभर चर्चा का विषय बना रहा। आयोजकों का दावा है कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों की आवाज को नए और प्रभावी तरीके से सामने लाना था।

संक्षिप्त वार्ता

सरदार वल्लभ भाई पटेल अस्पताल में पीडियाट्रिक डॉक्टर होंगे नियुक्त

नई दिल्ली। ईस्ट पटेल नगर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल अस्पताल में पीडियाट्रिक डॉक्टर नियुक्त किए जाएंगे। इस संबंध में अस्पताल ने सूचना जारी की है। भर्ती को लेकर 24 जून को साक्षात्कार होगा। इच्छुक उम्मीदवारों को सुबह नौ से साढ़े दस बजे के बीच रिपोर्ट करना होगा। डॉक्टरों की यह नियुक्ति 89 दिनों या नियमित नियुक्ति होने तक के लिए की जाएगी। विभाग प्रमुख से मिली रिपोर्ट के आधार पर कार्य अवधि को आगे बढ़ाया जाएगा।

जन औषधि केंद्र से दवा खरीदेगा अरुणा आसफ अली सरकारी अस्पताल

नई दिल्ली। अरुणा आसफ अली सरकारी अस्पताल जरूरी दवाओं की खरीद जन औषधि केंद्र से करेगा। इस संबंध में अस्पताल ने सार्वजनिक सूचना जारी की है। दवाओं की खरीद को लेकर जन औषधि केंद्रों से कोटेशन मंगाए गए हैं। सूचना के अनुसार यह खरीद स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय के निर्देशों के तहत की गई है।अस्पताल अलग-अलग 23 प्रकार की दवाओं की खरीद करेगा। इसमें एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन से लेकर ट्रामाडोल, सैल्बुटामोल नेबुलाइजर सॉल्यूशन समेत चिकित्सा उत्पाद भी शामिल हैं।
अस्पताल प्रशासन ने इच्छुक जन औषधि केंद्रों को पांच दिन के भीतर चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय को कोटेशन भेजने को कहा है।

जेएमसी में कक्षाओं में लगे सीसीटीवी का विरोध शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज (जेएमसी) की कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर डीयू के शिक्षक संगठन इंटेक ने विरोध जताया है। इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) ने शुक्रवार को इस संबंध में कॉलेज चेयरपर्सन के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखकर कैमरे हटाने की मांग की है। पत्र में संगठन ने इसे अकादमिक स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया।
इंटेक का कहना है कि शिक्षकों और छात्रों की निरंतर निगरानी से कक्षा का माहौल प्रभावित होता है। कक्षाएं केवल जानकारी देने का स्थान नहीं बल्कि छात्रों में आलोचनात्मक सोच विकसित करने, सवाल पूछने और स्वतंत्र संवाद को प्रोत्साहित करने का मंच है। सीसीटीवी से निगरानी कक्षा को निगरानी वाले स्थान में बदल देती है। इंटेक के अध्यक्ष प्रो. पंकज गर्ग ने कहा कि इससे शिक्षकों की सर्विलांसिंग की जा रही है। वहीं छात्रों ने भी अपनी चिंताएं जताई हैं।

फिटनेस प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

नई दिल्ली। इंडिया फिटनेस बॉडीबिल्डिंग एंड स्पोर्ट्स फेडरेशन की ओर से शुक्रवार को आयोजित बॉडीबिल्डिंग एवं फिटनेस प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन रिजवान अली और उनकी टीम ने किया।
प्रतियोगिता में हर्षित हानी, अनुभव, उदित नारायण, सौमिक, राहुल सैनी, विजय सैनी, सन्नी लाडवाल और हर्षिता समेत कई प्रतिभागी शामिल हुए।

योग के लिए दिल्ली तैयार, 29 जगहों पर होंगे मेगा इवेंट, 730 पार्कों में होगा अभ्यास

उपराज्यपाल संधू यमुना स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता असोला भाटी की नीली झील के किनारे कार्यक्रमों में लेंगे हिस्सा

वेब वार्ता, नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी में 29 प्रमुख स्थानों पर मेगा योग इवेंट आयोजित होंगे, जबकि 730 से अधिक पार्कों को आम लोग योगाभ्यास करेंगे। उप-राज्यपाल तरनजीत सिंह संधू यमुना स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स तो मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता असोला भाटी की नीली झील के किनारे आयोजित होने वाले योग कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी।

डीडीए की ओर से भी राजधानी के 18 स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और 11 बड़े पार्कों में विशेष योग सत्र आयोजित होगा। द्वारका, साकेत, सीरी फोर्ट, वसंत कुंज और रोहिणी जैसे प्रमुख खेल परिसरों के साथ स्वर्ण जयंती पार्क, हौज खास पार्क, संजय झील और विजय मंडल पार्क में भी लोगों के लिए योग कार्यक्रम होंगे।

नीली झील के किनारे योग से पर्यावरण का संदेश: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य स्थित नीली झील के किनारे योग करेंगी। इस कार्यक्रम में पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, वरिष्ठ अधिकारी, पर्यावरण विशेषज्ञ और स्थानीय निवासी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री अभयारण्य में पौधरोपण, हरियाली बढ़ाने और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े कार्यों का निरीक्षण भी करेंगी। वहीं, उपरा-ज्यपाल के साथ केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी योग करेंगे। वहीं नई दिल्ली इलाके में शांति पथ लॉन, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, कर्तव्य पथ, न्यू मोती बाग, संजय झील, पंडारा पार्क और पालिका पार्क में भी बड़े आयोजन होंगे।

हर विधानसभा क्षेत्र में योग का आयोजन: दिल्ली सरकार के सभी कैबिनेट मंत्री अपने-अपने क्षेत्रों के पार्कों और खेल मैदानों में योग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और वैश्विक नेतृत्व के कारण संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर-राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी थी। आज दुनिया के कई देशों में लोग योग के माध्यम से भारत की प्राचीन परंपरा से जुड़ रहे हैं।

पूर्व सीएम केजरीवाल ने ट्रंप-मोदी मुलाकात को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अमेरिका में तीन भारतीयों की मौत के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के साथ मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने भारतीयों की हत्या का मुद्दा नहीं उठाया और केवल अमेरिकी राष्ट्रपति की तारीफ करते रहे। केजरीवाल ने कहा कि यदि भारत का नेतृत्व मजबूत होता तो अमेरिका के सामने इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराता और बिना शर्त माफी की मांग की जाती। केजरीवाल ने दावा किया कि जब पत्रकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति से भारतीयों की मौत पर सवाल पूछा तो उन्होंने अफसोस नहीं जताया। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद प्रधानमंत्री की ओर से कोई कड़ा संदेश नहीं दिया गया। आप संयोजक ने कहा कि भारत को ऐसा नेतृत्व चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश और नागरिकों के हितों के लिए मजबूती से आवाज उठाए। उन्होंने कहा कि विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

दूसरे दिन 28 हजार लोगों ने लिया जन कल्याण शिविरों में लाभ

राशन, स्वास्थ्य, पेंशन और जल कनेक्शन जैसी बुनियादी सेवाओं का हो रहा है निपटारा

वेब वार्ता, नई दिल्ली।

दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित तीन दिवसीय (18 से 20 जून) जन कल्याण शिविरों के दूसरे दिन 28 हजार से अधिक लोगों ने विभिन्न सेवाओं का लाभ लिया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं, सेवाओं और अपनी समस्याओं के समाधान से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक प्रक्रियाओं में भाग लिया। शिविर के पहले दिन 15,866 लोग यहां सेवा का लाभ लेने पहुंचे थे। दो दिनों में कुल 43,973 नागरिकों ने इन शिविरों के माध्यम से सरकारी सेवाओं और अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन किए हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जन कल्याण शिविरों को मिल रहा यह व्यापक समर्थन इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली सरकार जनसेवा को जनता के द्वार तक पहुंचाने में पूरी तरह सफल रही है। दूसरे दिन भी त्रिलोकपुरी केंद्र शीर्ष पर रहा, जहां सबसे अधिक 1,349 नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद गोकलपुर केंद्र पर 1,335 लोग पहुंचे। सावित्री नगर केंद्र पर भी जनभागीदारी का ग्राफ तेजी से बढ़ा और 1,253 नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे।

शनिवार को लोधी रोड स्थित नवयुग स्कूल में शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान लोग सरकारी योजनाओं की जानकारी ले रहे थे। साथ ही, कुछ लोग पंजीकरण करा रहे थे। दस्तावेज संबंधी मार्गदर्शन और कई आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही थी। यहां लोग आसानी से अपना काम करवा रहे थे। बीके दत्त कॉलोनी से आए हेमंत रस्तोगी ने कहा कि यह शिविर का आयोजन करना बेहतर फैसला है। एक काम को कराने के लिए अलग-अलग जगह चक्कर काटने पड़ रहे थे। लेकिन, शिविर ने यह काम आसान कर दिया है।

सार्थक संवाद से ही मजबूत होगा लोकतंत्र : विजेंद्र गुप्ता

वेब वार्ता, नई दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए बहस और संवाद का स्तर गरिमापूर्ण, तथ्य आधारित और रचनात्मक होना जरूरी है। शास्त्रार्थ का उद्देश्य किसी को हराना नहीं बल्कि तर्क और विचार-विमर्श के माध्यम से सत्य की खोज करना है। शास्त्रार्थ भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्मा है। वे इंडिया हैबिटेट सेंटर में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसी-पीआर) और भारत बोध केंद्र की ओर से आयोजित 'वर्तमान समय में शास्त्रार्थ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उपनिषदों के संवाद और आदि शंकराचार्य-मंडन मिश्र के शास्त्रार्थ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज सूचना के साधन बढ़े हैं लेकिन धैर्य से सुनने और अलग विचारों को समझने की प्रवृत्ति कम हो रही है। स्वस्थ समाज और लोकतंत्र के लिए मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। गुप्ता ने कहा कि विधानमंडलों में होने वाली चर्चाएं प्राचीन शास्त्रार्थ परंपरा का आधुनिक रूप हैं। बेहतर निर्णय और सुशासन के लिए सदनों में सार्थक विमर्श जरूरी है। उन्होंने युवाओं और नागरिकों से सम्मानजनक संवाद संस्कृति को बढ़ावा देने की अपील की।

सुशासन तभी सार्थक, जब योजनाएं जनता तक सीधे पहुंचें : रविकांत

त्रिलोकपुरी में जन कल्याण शिविर बना जनता और सरकार के बीच मजबूत कड़ी

वेब वार्ता, नई दिल्ली।

त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र के सर्वोदय बाल विद्यालय, ब्लॉक-20 में आयोजित तीन दिवसीय जन कल्याण शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी पहुंचकर विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। त्रिलोकपुरी विधायक रविकांत ने शिविर का पुनः निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना।

इस अवसर पर रविकांत ने कहा कि जब सरकारी योजनाएं सीधे जनता के द्वार तक पहुंचती हैं, तभी सुशासन की वास्तविक अवधारणा साकार होती है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल विकास

कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को उसके अधिकारों, सम्मान और सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित करना भी उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।विधायक रविकांत ने शिविर में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक नागरिक की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह शिविर क्षेत्र के हजारों परिवारों के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य कर रहा है, जहां नागरिक एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनका सतत प्रयास है कि त्रिलोकपुरी का कोई भी परिवार सरकारी योजनाओं और सुविधाओं से वंचित न रहे। जनसेवा उनके लिए राजनीति का विषय नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक पवित्र दायित्व है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या के समाधान के लिए वह स्वयं निगरानी कर रहे हैं। रविकांत ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही सशक्त, समृद्ध और विकसित त्रिलोकपुरी का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है और जनसेवा उनका संकल्प है।

नीट अभ्यर्थियों के लिए डीटीसी बसों में निशुल्क यात्रा

सभी केंद्रों पर विशेष कूलिंग जोन की व्यवस्था

- निःशुल्क यात्रा के लिए केवल वैध नीट प्रवेश पत्र दिखाना होगा
- परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में नहीं होगी परिवहन संबंधी परेशानी

वेब वार्ता, नई दिल्ली।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 जून परीक्षा के दिन सभी परीक्षार्थी निशुल्क डीटीसी की बसों में यात्रा कर सकेंगे और अपने-अपने सेंटर

पहुंच सकेंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए परीक्षार्थियों को केवल अपना वैध नीट एडमिट कार्ड बस कंडक्टर को दिखाना होगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हाल ही में नीट परीक्षा के रद्द होने के कारण अनेक परीक्षार्थियों को दोबारा नीट परीक्षा देनी पड़ रही है। ऐसे में परीक्षार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त मानसिक, समयगत और आर्थिक दबाव पड़ना स्वाभाविक है। दिल्ली सरकार परीक्षार्थियों की इन चुनौतियों को समझते हुए उनके साथ खड़ी है। सरकार का प्रयास है कि परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों को परिवहन संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य से 21 जून को सभी नीट परीक्षार्थियों के लिए डीटीसी बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त तनाव के समय पर अपने एग्जाम सेंटर पहुंच सकें और पूरी एकाग्रता एवं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवाओं का समय, परिश्रम और भविष्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि परीक्षार्थियों को उनकी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हरसंभव सहयोग और सुविधा उपलब्ध कराई जाए। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाएं परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य से जुड़ी होती हैं। ऐसे समय में सरकार का दायित्व है कि परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों को यथासंभव सहयोग और सुविधा प्रदान की जाए ताकि वे किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी या तनाव का सामना न करें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी नीट अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परीक्षा उनके परिश्रम, समर्पण और सपनों को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने परीक्षार्थियों से आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने का आग्रह किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सभी नीट परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे 21 जून को डीटीसी बसों में सफर करते वक्त कंडक्टर को एडमिट कार्ड दिखाएं और डीटीसी द्वारा उपलब्ध कराई जा रही इस निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाएं।

आचार संहिता के दौरान मेट्रो में राजनीतिक विज्ञापनों पर रोक सही : दिल्ली हाईकोर्ट

वेब वार्ता, नई दिल्ली।

दिल्ली हाई कोर्ट ने चुनाव के दौरान लागू होने वाली आचार संहिता (एमसीसी) के समय दिल्ली मेट्रो में राजनीतिक विज्ञापनों पर रोक को सही ठहराया है। अदालत ने कहा कि यह रोक केवल सीमित समय के लिए होती है। इससे न तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन होता है और न ही कारोबार करने के अधिकार पर कोई असर पड़ता है।

न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने यह फैसला उन कंपनियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिनके पास दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) में विज्ञापन लगाने के अधिकार हैं। कंपनियों ने उस आदेश को चुनौती दी थी जिसके तहत आचार संहिता लागू होने के दौरान मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों में राजनीतिक विज्ञापन दिखाने पर रोक को वैध माना गया था। उनका

कहना था कि चुनाव आयोग का यह निर्देश उनके सांविधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

हाईकोर्ट ने कहा कि कंपनियों के कारोबार पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। वे आचार संहिता के दौरान भी गैर-राजनीतिक विज्ञापन दिखा सकती हैं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने वर्ष 2019 में डीएमआरसी को निर्देश दिया था कि आचार संहिता लागू होने के दौरान मेट्रो परिसर में कोई भी राजनीतिक विज्ञापन प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। यदि पहले से ऐसे विज्ञापन लगे हों तो उन्हें तुरंत हटाया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

ट्रेन से टकराए बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत

एजेंसी

बरेली। ओवरब्रिज के निर्माण के लिए बंद की गए लखनऊ-दिल्ली रेल मार्ग की कसरक क्रॉसिंग पर बृहस्पतिवार की रात जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस से टकराकर गंभीर रूप से घायल हुए मिजार्पुर क्षेत्र के गांव काजीपुर चिकटिया निवासी 30 वर्षीय अनुज कुमार सिंह की राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। अनुज कुमार बाइक से अपनी मां के साथ खुदागंज क्षेत्र के गांव नवादा दरोबस्त जा रहे थे। कसरक में बंद रेलवे क्रॉसिंग को पार करते समय डाउन लाइन पर आई ट्रेन से टकराकर वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। स्थानीय सीएचसी से राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किए जाने पर वहां बृहस्पतिवार को देर रात करीब दो बजे अनुज की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। सीओ इशिका सिंह का कहना है कि युवक ने मना किए जाने के बावजूद क्रॉसिंग बंद होने पर भी वहां से बाइक निकालने का प्रयास किया था।

राष्ट्र को आगे ले जाने में कैडेटों को निभानी है अहम भूमिका

एजेंसी

शाहजहांपुर। बरेली एनसीसी ग्रुप के कमांडर ब्रिगेडियर अमित उनियाल ने कहा कि शिविर में कैडेट के लिए नई चीजें सीखने का एक अच्छा अवसर है। कैडेट देश का भविष्य हैं और उन्हें राष्ट्र को आगे ले जाने में एक अहम भूमिका निभानी है। एनसीसी कैडेट के जीवन में अनुशासन बहुत जरूरी है। वह जवाहर नवोदय विद्यालय में एनसीसी कैंप के पांचवें दिन निरीक्षण के बाद कैडेटों को संबोधित कर रहे थे। शुक्रवार को पहुंचे ब्रिगेडियर अमित उनियाल का कैंप कमांडेंट कर्नल संग्राम सिंह चीमा और सूबेदार मेजर सुनील सिंह रावत ने स्वागत किया। उन्होंने जेसीओ, एएनओ, केयरटेकर व सिविल स्टाफ से मुलाकात की। एनसीसी कैडेट ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। प्रशासनिक अधिकारी कर्नल आनंद शर्मा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर सूबेदार मेजर सुनील सिंह रावत, सूबेदार गुलशन सिंह, सूबेदार दलविंदर सिंह, सूबेदार जतविंदर सिंह, सूबेदार अरविंद कुमार, हवलदार पठान, हवलदार शांतनु का सहयोग रहा।

विकसित भारत के लिए जनजागरूकता जरूरी : कुलपति

एजेंसी

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय में शुक्रवार को जनजागरूकता और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति पुष्पेंद्र बहादुर सिंह ने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए जनजागरूकता अभियान को आवश्यक बताया। कुलपति ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, कृषि, स्वरोजगार और डिजिटल सेवाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी आवश्यक है। इसके अभाव में राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। भौतिकी विभागाध्यक्ष शिशिर शुक्ला ने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक होकर योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। कला संकाय के अध्यक्ष आलोक मिश्रा ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से समाज में जागरूकता के वाहक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के आयोजक श्रीकांत मिश्रा, डॉ. बलवीर शर्मा, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. सुजीत कुमार वर्मा, डॉ. व्याख्या सक्सेना आदि मौजूद रहे।

अपर्णा त्रिपाठी सहायक नोडल अधिकारी नामित

एजेंसी

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय ने छात्रवृत्ति कार्यों के लिए अपर्णा त्रिपाठी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। यह कदम विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं का समय से लाभ दिलाने के उद्देश्य से उठाया गया है। वाणिज्य विभाग की अपर्णा त्रिपाठी को कुलपति के आदेश पर यह दायित्व सौंपा गया है। उनका मुख्य कार्य छात्रवृत्ति आवेदन, सत्यापन और संबंधित प्रक्रियाओं में विभागों से समन्वय स्थापित करना होगा। कमलेश गौतम पहले से ही छात्रवृत्ति कार्यों के नोडल अधिकारी हैं। कुलपति पुष्पेंद्र बहादुर सिंह समेत कई शिक्षकों ने अपर्णा को उनके नए दायित्व के लिए बधाई दी।

पढ़ने की प्रवृत्ति डालने के लिए पुस्तकों का वितरण किया

एजेंसी

शाहजहांपुर। जीएफ कॉलेज के फजलुर्रहमान खां केंद्रीय पुस्तकालय में राष्ट्रीय पठन दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बीच छात्र-छात्राओं में पढ़ने की प्रवृत्ति डालने के लिए निःशुल्क पुस्तकें बांटी गईं। प्राचार्य प्रो.मोहसिन हसन खान ने कहा कि पुस्तकें-ज्ञान, विचार और व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम हैं। विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन की आदत विकसित करनी चाहिए। लाइब्रेरियन सैयद अनीस अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय पठन दिवस प्रत्येक वर्ष 19 जून को केरल के प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं पुस्तकालय आंदोलन के जनक पीएन पणिक्कर की पुण्यतिथि पर मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत, साक्षरता और ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना है। कार्यक्रम में विकास कुमार, जहीर अहमद, शहरोज खां, शाहरुख हुसैन, निदा, बुशरा, अविकल, अंकुल कुमार आदि मौजूद रहे।

सुपर जॉयंट्स ने किंग्स इलेवन को चार विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी

शाहजहांपुर। पुवायां मार्ग की राइस मिल के मैदान पर आयोजित क्रिकेट की प्रीमियर लीग के तहत शुक्रवार की शाम निगोही सुपर जॉयंट्स और किंग्स इलेवन के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला हुआ। इस मैच में सुपर जॉयंट्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए किंग्स इलेवन को चार विकेट से करारी शिकस्त दी। सर्वेश की घातक गेंदबाजी और अजीम की शानदार बल्लेबाजी के दम पर सुपर जाइंट्स ने यह मुकाबला अपने नाम किया। टूर्नामेंट में टीमें नौ-नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही हैं। अधिकतम दस ओवर निर्धारित हैं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी किंग्स इलेवन टीम 6.2 ओवर में महज 61 रनों पर ऑलआउट हो गई। सुपर जायंट्स की तरफ से सर्वेश ने 26 रन देकर तीन विकेट लिए। सुधीर ने किफायती गेंदबाजी करते हुए सिर्फ एक रन देकर एक विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी सुपर जायंट्स की टीम ने छह ओवर में चार विकेट खोकर 63 रन बना लिए। विजेता टीम के सलामी बल्लेबाज अजीम ने महज 12 गेंदों में 24 रनों की तूफानी पारी खेलकर जीत की राह आसान की। फरदीन ने सात गेंदों में 13 रन बनाए, जबकि सुधीर सात रन बनाकर नाबाद रहे।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष: विकास, सुशासन और जनकल्याण पर मंथन, पीआईबी की वार्तालाप कार्यशाला, राज्यमंत्री और मेयर ने गिनाई उपलब्धियां

एजेंसी

वाराणसी,। केंद्र सरकार के 12 वर्षों की विकास यात्रा, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और समावेशी विकास के विभिन्न आयामों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), की ओर से शुक्रवार को सर्किट हाउस में वार्तालाप मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। डेवलपमेंट कम्युनिकेशन एंड इन्फॉर्मेशन डिसेमिनेशन (डीसीआईडी) पहल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया से जुड़े बड़ी संख्या में पत्रकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क तथा पंजीयन विभाग के राज्य मंत्री

(स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल और विशिष्ट अतिथि वाराणसी के महापौर अशोक कुमार तिवारी रहे। दोनों अतिथियों ने केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंत्री रविंद्र जायसवाल ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश ने विकास की नई गति प्राप्त की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक, सामाजिक और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जिससे गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आज वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। महापौर अशोक तिवारी ने कहा कि सुशासन और जनकल्याण को केंद्र में रखकर सरकार ने अनेक योजनाओं को धरातल पर उतारा है। इन योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास की यह यात्रा केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव लोगों के जीवन स्तर में सुधार के रूप में दिखाई दे रहा है। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रमुख योजनाओं, नीतिगत सुधारों, डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, युवाओं के लिए रोजगार और अवसर सृजन, आधारभूत संरचना विकास तथा ह्यविकसित भारतह्न के संकल्प से जुड़े विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। पत्र सूचना ब्यूरो के संयुक्त निदेशक दिलीप शुक्ला ने कहा कि विकासपरक योजनाओं और जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर विकास संदेशों के प्रभावी प्रसार के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपस्थित पत्रकारों और मीडिया प्रतिनिधियों ने इस पहल को सरकार और समाज के बीच संवाद को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्रगतिशील किसान बनकर विकसित भारत का लक्ष्य करें प्राप्त : जितेंद्र सिंह सेंगर

एजेंसी

महोबा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा के 12 वर्षों के सफल कार्यकाल के अवसर पर उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में शुक्रवार को किसान भाई-बहनों के साथ सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनांतर्गत खरीफ गोष्ठी कर प्राकृतिक एवं प्रगति शील खेती कार्यशाला एवं किसान मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । शुक्रवार को जनपद मुख्यालय स्थित सेवायोजन कार्यालय में प्रधानमंत्री कार्यकाल के 12 वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर किसान गोष्ठी एवं मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में हमीरपुर बांदा विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर ने कहा कि प्राकृतिक खेती आज की जरूरत है, इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, बल्कि किसानों को भी बेहतर लाभ मिलता है।खेती को प्रगतिशील बनाकर 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

सदर विधायक राकेश गोस्वामी ने कहा कि आज का किसान प्राकृतिक खेती कर और प्रगति शील किसान बनकर अपनी आय बढ़ा सकता है। सरकार की ओर से किसानों के कल्याण के लिए लगातार कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर किसानों का कल्याण कर रहीं हैं। किसान गोष्ठी में कोऑपरेटिव बैंक चेयरमैन चक्रपाणी त्रिपाठी ,जिलाध्यक्ष भाजपा मोहनलाल कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश गुप्ता , कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र महेन्द्र, अभियान संयोजक योगेश मिश्रा, किसान मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष उर्मिला राजपूत , किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा समेत पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं अन्नदाता किसान उपस्थित रहे हैं '

सीतापुर हाईवे पर डीसीएम की टक्कर लगने से बच्चे की मौत, सात घायल

एजेंसी

शाहजहांपुर। लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर गुर्री पुलिस चौकी के पास टेढ़ी पुलिया पर पीछे से आई डीसीएम से ई-रिक्शा में टक्कर लग गई। हादसे में ई-रिक्शा पर बैठे लखीमपुर खीरी के थाना उचौलिया के गांव नई बस्ती निवासी सुरजीत के तीन वर्षीय पुत्र कृष्णा की मौत हो गई। सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज से बरेली रेफर कर दिया गया है। सुरजीत की बहन सीमा की शादी रोजा थाना क्षेत्र के कटिया रज्जब गांव में हुई है। कुछ दिन से सीमा बीमार चल रही थी। उनके पति पप्पू का हाथ भी झुलस गया। बहन-बहनोई की कुशलक्षेम जानने के लिए बृहस्पतिवार की शाम सुरजीत व उनका भाई राममिलन बाइक से आए थे। वहीं, सुरजीत की 26 वर्षीय पत्नी बबली, 11 वर्षीय बेटा अनुराग, तीन वर्षीय बेटा कृष्णा, चार वर्ष की बेटी माही व जान्हवी, राममिलन की 25

वर्षीय पत्नी पम्मी, दो वर्ष का बेटा अंश, तीन साल की बेटी छोटी व 65 वर्षीय मां मेघावती ई-रिक्शा से कटिया रज्जब गांव आए थे। ई-रिक्शा को मौसेरा भाई सूरज लेकर आया था। रात करीब हाल-चाल लेने के बाद दस बजे सभी ई-रिक्शा से वापस घर जाने के लिए निकले। हाईवे पर टेढ़ी पुलिया के पास पहुंचने पर सीतापुर की ओर जा रही डीसीएम से पीछे से ई-रिक्शा में टक्कर लग गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। ई-रिक्शा पर माही व जान्हवी के किनारे पर बैठे होने के चलते उन्हें चोट नहीं आई। शेष लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बीच वहां से गुजर रही डायल 112 पुलिस टीम ने ई-रिक्शा को पलटा देखकर बचाव कार्य शुरू किया। रोजा थाने से पुलिस बल मौके पर पहुंचा। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। सीओ सदर शुभम वर्मा ने भी रात में पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली। उपचार के दौरान सुबह चार बजे कृष्णा ने दम तोड़ दिया। दूसरी ओर हालत गंभीर होने पर पम्मी, बबली, अंश, छोटी, अनुराग, मेघावती और सूरज को बरेली रेफर कर दिया गया है।

सुरजीत पर टूटा दुखों का पहाड़

सुरजीत के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके चार वर्षीय बेटे सुरजीत की हादसे में जान चली गई, जबकि पत्नी बबली की हालत गंभीर बनी हुई है। बेटे की मौत से सुरजीत की आंखों से आंसू नहीं थम रहे। शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर सुरजीत को सौंप दिया। सुरजीत के अनुसार, वह बेटे के शव को शाम को ही दफन कर देंगे। ऐसे में उनकी पत्नी, मां व भाभी कृष्णा के अंतिम दर्शन करने से महरूम रह जाएंगी। ओवरलोड था ई-रिक्शा, प्रतिबंध के बाद भी हाईवे पर दौड़ रहा था ई-रिक्शा पर चालक समेत दस लोग सवार थे। ओवरलोड ई-रिक्शा रात में हाईवे पर दौड़ रहा था। डीएम ने हाईवे पर ई-रिक्शों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसके बाद भी जिम्मेदार सख्त कार्रवाई करने से बच रहे हैं।

एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के साथ योगाभ्यास कर सीडीओ ने दिया जागरूकता का संदेश

एजेंसी

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग सप्ताह के पांचवें दिन शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया ने एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के साथ योगाभ्यास कर समाज को जागरूकता और संवेदनशीलता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के संपर्क में रहने से किसी प्रकार का संक्रमण नहीं फैलता और समाज को गलत धारणाओं को त्यागना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. सुशील अग्रहरी ने बताया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों को पौष्टिक एवं सुपाच्य आहार का नियमित सेवन करना चाहिए तथा किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कमल ने कहा कि आयुर्वेदिक औषधियां भी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होती हैं। पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति एवं मुख्य योग शिक्षक अरविंद ने विभिन्न योगाभ्यासों का प्रशिक्षण देते हुए उनके लाभ बताए। अचल हरीमूर्ति ने कहा कि शरीर में रक्त संचार और प्राणवायु के प्रवाह में असंतुलन होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। इसे संतुलित करने के लिए नियमित रूप से कपालभाति, भस्त्रिका, भ्रामरी और उद्गीथ प्राणायाम का अभ्यास लाभकारी है। उन्होंने एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों को मधुमेह, दय रोग, उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल, किडनी एवं लीवर संबंधी बीमारियों जैसी लाइफस्टाइल डिजीज से बचाव के लिए संयमित दिनचर्या, संतुलित आहार, नियमित योग, ध्यान और सूर्य नमस्कार अपनाने की सलाह दी। साथ ही प्रदूषित जल एवं वायु से बचने पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, भू-राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र विश्वकर्मा, जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कमल ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी तथा आमजन उपस्थित रहे।

सांसद ही नहीं, कई विधायक भी सही समय के इंतजार में; सपा पर राकेश प्रताप सिंह का बड़ा हमला

एजेंसी

अमेठी, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के भीतर असंतोष और टूट को लेकर सियासी बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। अब अमेठी के गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह ने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट लिखकर दावा किया है कि समाजवादी पार्टी में नाराजगी सिर्फ सांसदों तक सीमित नहीं है, बल्कि कई विधायक, पदाधिकारी और पुराने कार्यकर्ता भी खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि पार्टी के अंदर बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो वर्तमान नेतृत्व और पार्टी की कार्यशैली से असहज हैं। उनके मुताबिक कई नेता मन बना चुके हैं, लेकिन सही समय का इंतजार कर रहे हैं। 'सनातन आस्था का सम्मान नहीं' अपनी पोस्ट में राकेश प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी पर सनातन आस्था की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोई भी नेता उस पार्टी में ज्यादा दिन तक नहीं रह सकता, जहां उसकी धार्मिक भावनाओं और आस्था पर सवाल उठाए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में हिंदू देवी-देवताओं और सनातन परंपराओं को लेकर विवादित बयान दिए गए, लेकिन शीर्ष नेतृत्व ने कभी स्पष्ट रुख नहीं अपनाया। उन्होंने कहा कि जब पार्टी के भीतर कई नेताओं और कार्यकताओं ने इन मुद्दों पर अपनी नाराजगी जाहिर की तो उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें अपमानित किया गया। रामचरितमानस विवाद का भी किया जिक्र

राकेश प्रताप सिंह ने अपने पोस्ट में रामचरितमानस विवाद का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के बड़े नेताओं के इशारे पर कई दिनों तक रामचरितमानस जलाने जैसे कार्यक्रम हुए, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने इस पर चुप्पी साधे रखी। उन्होंने दावा किया कि इसको लेकर पार्टी के भीतर भी विरोध हुआ था, लेकिन विरोध करने वालों को महत्व नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि जब कुछ नेताओं ने अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन करने की इच्छा जताई तो उन्हें भी अपमानित किया गया, जिससे कार्यकताओं और नेताओं के मन में नाराजगी बढ़ती चली गई। कई साथी घुटन महसूस कर रहे विधायक ने कहा कि पार्टी के भीतर लगातार हो रही घटनाओं से उन्हें खुद भी घुटन महसूस होने लगी थी। उन्होंने दावा किया कि यही वजह रही कि उन्होंने समाजवादी पार्टी से दूरी बनाई। उनके अनुसार कई अन्य पुराने साथी भी इसी तरह की पीड़ा महसूस कर रहे हैं और अवसर मिलने पर अपनी राजनीतिक राह अलग कर सकते हैं। एक जाति और धर्म विशेष की पार्टी बन गई है सपा राकेश प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में समाजवादी पार्टी में विचारधारा से ज्यादा कुछ खास लोगों की चलती है। उन्होंने कहा कि पार्टी में ऐसे लोगों को महत्व मिल रहा है, जो सनातन धर्म, ब्राह्मण समाज और गैर-यादव पिछड़ों के खिलाफ बयानबाजी करते हैं,

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर: डॉ. सत्य नारायण गुप्ता

एजेंसी

प्रयागराज,। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की प्रगति देश को वैश्विक तकनीकी महाशक्ति में परिवर्तित करने की क्षमता रखती है, जो आर्थिक विकास, नवाचार तथा राष्ट्रीय रणनीतिक क्षमताओं को नई दिशा प्रदान करेगी। उक्त विचार वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सत्य नारायण गुप्ता ने शुक्रवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद में आयोजित एक माह के वीएलएसआई डिजाइन समर ट्रेनिंग प्रोग्राम के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए। मुख्य वक्तव्य देते हुए डॉ. गुप्ता ने वीएलएसआई इंडस्ट्री इनसाइट्सः ट्रेंड्स एंड ऑपर्च्युनिटीज विषय पर वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में हो रहे नवीनतम विकास, चिप डिजाइन की उभरती प्रवृत्तियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हार्डवेयर तथा कुशल वीएलएसआई पेशेवरों की बढ़ती मांग पर प्रकाश डाला। उन्होंने सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन ऑटोमेशन, एम्बेडेड सिस्टम तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक संभावनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका निरंतर मजबूत हो रही है। डॉ. गुप्ता ने भारत सरकार द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय मिशनों के अंतर्गत सेमीकंडक्टर विनिर्माण एवं नवाचार को बढ़ावा देने हेतु की जा रही पहलों की भी जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को मजबूत बुनियादी ज्ञान विकसित करने, नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने तथा भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन एवं विकास का अग्रणी केंद्र बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए ट्रिपल आईटी के निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावणे ने कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग भविष्य की प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास को आकार देने में रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत निरंतर निवेश, प्रभावी नीतिगत समर्थन तथा उच्च कौशलयुक्त मानव संसाधन के विकास के माध्यम से इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रिपल आईटी इलाहाबाद जैसे संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे प्रतिभाओं को विकसित करें और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार को प्रोत्साहित करें। निदेशक ने विश्वास व्यक्त किया कि वीएलएसआई डिजाइन समर ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रतिभागियों को समकालीन वीएलएसआई तकनीकों, डिजाइन पद्धतियों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से परिचित कराएगा। यह कार्यक्रम शैक्षणिक अध्ययन और औद्योगिक आवश्यकताओं के बीच की दूरी

को कम करते हुए विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और तकनीकी दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम वीएलएसआई और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में क्षमता निर्माण को बढ़ावा देगा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाने की राष्ट्रीय परिकल्पना को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

संक्षिप्त समाचार

विटकॉफ का दावा- ईरान देगा परमाणु ठिकानों की जांच की इजाजत, मोजतबा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ सीधी वार्ता का समर्थन किया है। सरकारी मीडिया में पढ़े गए बयान में उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाली आमने-सामने की बातचीत का मतलब यह नहीं होगा कि ईरान विरोधी पक्ष की बात मान लेगा। यह बयान अमेरिका-ईरान के बीच हाल ही में हुए उस समझौते पर उनकी पहली प्रतिक्रिया है, जिसमें दोनों देशों ने तनाव कम करने की दिशा में कदम उठाए हैं। खामेनेई लंबे समय से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। माना जा रहा है कि युद्ध की शुरुआत में हुए हमले में वे घायल हुए थे। वहीं, अमेरिकी सेना ने ईरानी नौवहन पर लगी नाकाबंदी हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने अमेरिका के सांसदों को एक बंद कमरे में में बताया कि ईरान संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था को अपने परमाणु ठिकानों का निरीक्षण करने के लिए आमंत्रित करेगा। इस जानकारी के अनुसार, ईरान यह भी अनुमति देगा कि उसकी संवर्धित परमाणु सामग्री कहां-कहां है, इसका पता लगाया जाए और उसकी पहचान की जाए। यह बैठक कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सदस्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी समितियों के सदस्यों के साथ हुई। बैठक में बताया गया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते में कोई अतिरिक्त गोपनीय समझौता शामिल नहीं था। लेकिन ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बीच एक अलग पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र के तहत ईरान ने आईएईए को अपने परमाणु स्थलों के निरीक्षण का आमंत्रण दिया है। इस बात का खुलासा भी विटकॉफ ने बैठक में किया। विटकॉफ ने यह भी बताया कि यह पत्र आईएईए प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी को भेजा जाएगा, जिससे अमेरिकी परमाणु निरीक्षकों को भी तेहरान में जांच करने की अनुमति मिल सकेगी।

वीवाटेक समिट में भारत पर रहा फोकस': विक्रम मिसरी बोले- 15 जुलाई से शुरू होगा भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता

फ्रांस, एजेंसी। पेरिस में आयोजित यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी महाकुंभ 'वीवाटेक' में इस बार भारत का जबरदस्त जलवा देखने को मिला। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने गुरुवार को एक विशेष प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि इस प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिस्सा लिया। इस समिट में भारत 'एआई कंट्री ऑफ फोकस' और 'एआई पार्टनर कंट्री' के रूप में शामिल हुआ। भारत ने इस मंच का उपयोग देश की तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को दुनिया के सामने रखने के लिए किया। इस समिट में वैश्विक तकनीकी लीडर्स, स्टार्टअप्स और निवेशक एक साथ जुटे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रधानमंत्री के फ्रांस दौरे पर जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने तकनीक के क्षेत्र में भारत में हो रहे नए आविष्कारों को सामने रखा। विदेश सचिव के अनुसार, पीएम मोदी ने एआई को लेकर भारत के दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक क्रांतिकारी तकनीक है और इसका मुख्य उद्देश्य हमेशा मानवता की सेवा करना होना चाहिए। मानव को तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। पीएम मोदी ने टेक कंपनियों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार नियमों को आसान बना रही है और व्यापार को बढ़ावा दे रही है।

प्रिय मित्र नरेंद्र, फ्रांस आपसे प्यार करता है': मैक्रों ने हिंदी बोलकर बढ़ाई देश की शान, 2027 में आएंगे भारत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़कर एक अनोखा काम किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हिंदी में विदाई संदेश जारी किया है। पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा खत्म होने पर यह वीडियो संदेश आया। मैक्रों ने हिंदी बोलकर दोनों नेताओं की गहरी दोस्ती को दुनिया के सामने दिखाया है। इसके साथ ही दोनों देशों के मजबूत रिश्तों को एक नया रूप मिला है। एलिसी पैलेस ने इस खास वीडियो को रिकॉर्ड किया है। वीडियो में राष्ट्रपति मैक्रों बेहद अपनेपन से हिंदी बोलते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'प्रिय मित्र नरेंद्र, मुझे बहुत खुशी हुई आपका नीस, एवियन और पेरिस में स्वागत करके। फ्रांस और भारत की दोस्ती अमर रहे।' यह लाइन बोलने के तुरंत बाद मैक्रों मुस्कुरा दिए। फिर उन्होंने अंग्रेजी में कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह सही था।' इसके बाद उन्होंने दिल की बात की। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस आपसे प्यार करता है...आप मेरे सच्चे दोस्त हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने फ्रांस गए थे। इस दौरान नीस शहर के 'विला केरीलोस' में दोनों नेताओं के बीच बड़ी बैठक हुई। बैठक का मुख्य मकसद दोनों देशों के बीच विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। इस मुलाकात में रक्षा क्षेत्र में मिलकर हथियार बनाने पर सहमति बनी।

यूएन से आई चौंकाने वाली रिपोर्ट: युद्धों में बच्चों पर टूटा कहर, पहली बार सरकारी सेनाएं बनीं सबसे बड़ी दोषी

न्यूयार्क, एजेंसी। संघर्ष और युद्ध क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनिया भर में करीब 25,000 बच्चे हत्या, यौन हिंसा, अपहरण और जबरन लड़ाई में भर्ती किए जाने जैसे गंभीर अपराधों का शिकार हुए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 30 वर्षों में पहली बार सरकारी सेनाएं बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाई गई हैं।

लगातार चौथे साल बढ़े बच्चों के खिलाफ अपराध : UN की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के खिलाफ दर्ज गंभीर उल्लंघनों की संख्या लगातार चौथे वर्ष बढ़ी है। वर्ष 2025 में ऐसे 38,558 मामले सत्यापित किए गए, जिनमें बच्चों की हत्या, अपहरण, स्कूलों और अस्पतालों पर हमले तथा मानवीय सहायता रोकने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

24 हजार से ज्यादा बच्चे हुए प्रभावित : रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल 24,174 बच्चे इन घटनाओं से प्रभावित हुए। इनमें लगभग एक-तिहाई लड़कियां थीं। कई बच्चों को एक साथ कई तरह की हिंसा और अत्याचारों का सामना करना पड़ा।

30 साल में पहली बार बदली तस्वीर : संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों पर होने वाले अत्याचारों की निगरानी शुरू होने के तीन दशक बाद पहली बार सरकारी बल अधिकांश गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं। पहले आमतौर पर सशस्त्र विद्रोही और आतंकी समूह ऐसे मामलों में प्रमुख दोषी माने जाते थे।

इस्राइली सेना सबसे ऊपर, कांगो दूसरे नंबर पर : रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 के दौरान सबसे ज्यादा 12,445 उल्लंघन इस्राइली सेना और उससे जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों के खाते में दर्ज किए गए। इसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में 4,114 मामले सामने आए। म्यांमार, सोमालिया और नाइजीरिया के विभिन्न सशस्त्र समूहों द्वारा भी 2,000 से अधिक गंभीर उल्लंघन किए गए। सूची में सूडान, दक्षिण सूडान, सीरिया और यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों का भी उल्लेख है।

बच्चों की मौत और चोट के मामलों में भी सरकारी बल आगे : रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सेनाएं 6,266 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार पाई गईं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। वहीं 7,958 बच्चों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

गाजा में हजारों बच्चों की मौत : संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गाजा में इस्राइल सैन्य कार्रवाई के दौरान 2,668 फ़िलिस्तीनी बच्चों की मौत हुई। इसके अलावा पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में 55 बच्चों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गाजा में 4,588 अतिरिक्त बच्चों की मौत और 346 इस्राइल बच्चों के घायल होने की खबरों की जांच अभी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता : संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का पैमाना बेहद चिंताजनक है और अब केवल चिंता जताने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने सदस्य देशों से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की।

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं ऐसे मामले : विशेषज्ञों के मुताबिक, युद्ध की बदलती प्रकृति इसकी बड़ी वजह है। अब लड़ाइयां खुले मैदानों के बजाय घनी आबादी वाले शहरों और बस्तियों में लड़ी जा रही हैं। ड्रोन, मिसाइलों और भारी विस्फोटक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से बच्चों पर खतरा और बढ़ गया है।

हजारों बच्चों को जबरन बनाया गया लड़ाका : रिपोर्ट के अनुसार, 6,607 बच्चों को जबरन भर्ती कर युद्ध में इस्तेमाल किया गया। सबसे ज्यादा मामले कांगो, नाइजीरिया, हैती, सोमालिया और कोलंबिया में दर्ज हुए।

अपहरण और यौन हिंसा भी बड़ी चिंता : संयुक्त राष्ट्र ने 5,129 बच्चों के अपहरण की पुष्टि की है। सबसे अधिक मामले नाइजीरिया, कांगो, सोमालिया, म्यांमार और मोजाम्बिक में सामने आए। वहीं 1,783 बच्चे बलात्कार और अन्य प्रकार की यौन हिंसा के शिकार हुए। ऐसे मामलों में कांगो, नाइजीरिया, सोमालिया, सूडान और हैती सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र का संदेश: बच्चों की सुरक्षा का कोई विकल्प नहीं : रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि दुनिया भर में बढ़ते संघर्षों का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यदि सरकारें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय तुरंत ठोस कदम नहीं उठाते, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गंभीर हो सकता है।

नाइजर की राजधानी के एयरपोर्ट पर बड़ा आतंकी हमला; 11 सैनिक, दो नागरिकों की मौत; 22 हमलावर ढेर

नियामे, एजेंसी। अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामी में स्थित मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार तड़के हथियारबंद हमलावरों ने बड़ा हमला कर दिया। इस हमले में 11 सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 22 हमलावर भी मारे गए। नाइजर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमलावरों ने राजधानी के डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया था। सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले को विफल कर दिया। इस दौरान 20 संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

हमले के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने की कार्रवाई : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के दौरान एयरपोर्ट क्षेत्र में गोलियों की आवाजें और विस्फोट सुनाई दिए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और एयरपोर्ट जाने वाले रास्तों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, कुछ घंटों बाद नाइजर की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन एजेंसी ने कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य रूप से जारी है और उड़ानों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। यह इस साल एयरपोर्ट पर हुआ दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले जनवरी में भी इसी एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था। उस हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। तब एयरपोर्ट पर मौजूद नाइजर के ड्रोन ठिकानों को निशाना बनाया गया था। डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नाइजर के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां नाइजर वायुसेना का बेस मौजूद है। साथ ही नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय भी इसी परिसर में स्थित है। विशेषज्ञों का कहना है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा जनवरी के हमले के बाद बढ़ाई गई थी, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में सक्रिय जिहादी संगठन लगातार खतरा बने हुए हैं। नाइजर, बुर्किना फासो और माली जैसे साहेल क्षेत्र के देश लंबे समय से आतंकवादी हिंसा का सामना कर रहे हैं।

2023 में तख्तापलट सत्ता में है सेना समर्थित सरकार : गौरतलब है कि नाइजर में 2023 में सैन्य तख्तापलट के बाद सेना समर्थित सरकार सत्ता में है। इसके बावजूद देश में आतंकवादी हमलों और हिंसक गतिविधियों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट का सामरिक महत्व और संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय होने के कारण आतंकवादी संगठन इसे बार-बार निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

अमेरिका में गोलीबारी की तीन बड़ी घटनाओं से हड़कंप, न्यूयॉर्क से मिसिसिपी और कंसास सिटी तक तनाव

न्यूयॉर्क/मिसिसिपी/कंसास सिटी, एजेंसी। अमेरिका में एक ही दिन के दौरान हुई तीन अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, मिसिसिपी के सेनाटोबिया और मिसौरी के कंसास सिटी में हुई घटनाओं ने लोगों में दहशत फैला दी। न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर में गुरुवार दोपहर अचानक गोलीबारी होने से अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो लोग भीड़भाड़ वाले इलाके में आए और पिस्तौल जैसी दिखने वाली बंदूकों से फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही लोग इधर-उधर भागने लगे और कई लोग जमीन पर झुककर छिप गए। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए संदिग्ध का पीछा किया। घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह गोलीबारी ऐसे समय हुई जब एनबीए चैंपियन न्यूयॉर्क निक्स की जीत के जश्न के बाद शहर में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। मिसिसिपी के छोटे से शहर सेनाटोबिया में पुलिस की गोली लगने से एक साल के बच्चे कोहेन वाइली की मौत हो गई। पुलिस एक दुकान से कथित चोरी की शिकायत पर कार्रवाई कर रही थी। पुलिस का दावा है कि संदिग्ध वाहन ने अधिकारियों को टक्कर मारने की कोशिश की, जिसके बाद एक अधिकारी ने गोली चला दी। हालांकि बच्चे की मां ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि वाहन पुलिसकर्मियों की ओर नहीं जा रहा था। घटना के बाद शहर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे पुलिस जवाबदेही और नस्लीय भेदभाव से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर की बेटी बर्निस किंग ने कहा कि कुछ डायपरों की कथित चोरी के मामले में एक बच्चे की जान चली जाना नैतिक विफलता है। मिसौरी के कंसास सिटी में कुछ ही मिनटों के भीतर हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, एक 22 वर्षीय संदिग्ध ने अलग-अलग स्थानों पर वाहनों को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं।

समझौते पर खामेनेई का पहला बयान, कहा- ट्रंप को मजबूरी में करना पड़ा एमवयू, यूएस झुका या ईरान जीता

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की पुष्टि करते हुए एक खास पोस्ट में कहा कि यह समझौता ईरान की उत्सुकता से नहीं, बल्कि अमेरिका की मजबूरी की वजह से हुआ है। खामेनेई ने अपने पोस्ट में लिखा, 'जैसा कि आपको बताया गया है, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।' ईरानी अधिकारियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से काम किया था, लेकिन अमेरिकी पक्ष ने ही सबसे अधिक जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ही मजबूरी में आकर इसे अंजाम देने के लिए हर तरह के दबाव और तरीकों का इस्तेमाल किया।

समझौते पर थी आपत्ति, फिर भी क्यों दी मंजूरी : खामेनेई ने माना कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस समझौते को लेकर कुछ आपत्तियां थीं। उन्होंने कहा, 'सिद्धांत के तौर पर मेरी राय अलग थी,' लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने ईरानी राष्ट्र और 'रेसिस्टेंस फ्रंट' (प्रतिरोध मोर्चा) के अधिकारों की रक्षा करने के ईरानी राष्ट्रपति के वादे के आधार पर अपनी मंजूरी दे दी।

अमेरिका ने सीमा लांघी तो नहीं झुकेगा ईरान : हालांकि खामेनेई ने इस पोस्य में यह भी कहा कि अगर अमेरिका तय की गई बातों से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो ईरान झुकेगा नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर अमेरिकी पक्ष हद से ज्यादा मांगें रखने की कोशिश करेगा, तो वे उन्हें नहीं मानेंगे। उन्होंने खुद को 'विनम्र सेवक' बताते हुए सीधे अपने देश को संबोधित किया और ईरानियों से तय शर्तों के पूरा होने का इंतजार करने को कहा।

वर्साय के महल में हुई ऐतिहासिक घोषणा : समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर जी7 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा वर्साय के महल में आयोजित रात्रिभोज के दौरान किए गए। मैक्रों ने एक्स पर इस घटनाक्रम की घोषणा करते हुए समझौते को ऐसा बताया जो 'स्थायी शांति का रास्ता बनाता है और होर्मुज़ को फिर से खोलने की अनुमति देता है।' औपचारिक हस्ताक्षर मूल रूप से शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाले थे। तेहरान ने पुष्टि की कि जिनेवा में होने वाली नियोजित बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। इस दस्तावेज़ का औपचारिक शीर्षक 'संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' है। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की गई है। इस शर्तों के तहत अमेरिका ने 30 दिनों के भीतर ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी हटाने का वादा किया है। इस दौरान जहाजों की आवाजाही के युद्ध-पूर्व स्तर पर लौटने की उम्मीद है। अमेरिका अंतिम समझौता होने के 30 दिनों के भीतर ईरान के आसपास से अपनी सेना हटाने पर भी सहमत हो गया है। अपनी ओर से ईरान 60 दिनों तक बिना किसी शुल्क के वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमत हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय महिला शांति सैनिकों की सराहना, संघर्ष क्षेत्र में महिलाओं को दे रहीं नई उम्मीद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि भारतीय महिला शांति सैनिक संघर्ष क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बन रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 160 से अधिक भारतीय महिलाएं अलग-अलग यूएन मिशनों में सेवा दे रही हैं। सुरक्षा परिषद में 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' विषय पर हुई बहस में पी. हरीश ने कहा कि महिला सैनिक समुदायों में भरोसा पैदा करती हैं और खासकर महिलाओं व बच्चों को सुरक्षा का एहसास दिलाती हैं। वे लैंगिक हिंसा जैसे मामलों को समझने और रोकने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक का जिक्र किया, जिन्हें हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड मिला है। इससे पहले भी दो भारतीय महिलाएं यह सम्मान पा चुकी हैं।

भारत की ऐतिहासिक पहल : भारत ने सबसे पहले लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत पूरी तरह महिला यूनिट तैनात की थी। इससे हजारों स्थानीय महिलाओं को पुलिस में शामिल होने की प्रेरणा मिली। दिल्ली में बनाए गए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र के जरिए भारत दुनिया भर की महिला सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दे रहा है। पिछले साल 15 देशों की महिलाओं ने इसमें हिस्सा लिया, जबकि 35 देशों की महिला शांतिदूत एक सम्मेलन में शामिल हुईं।

महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : पी. हरीश ने कहा कि शांति कायम रखने के प्रयास तभी सफल होंगे जब महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने भारत में पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण और 2023 के महिला आरक्षण कानून का उदाहरण दिया। भारत में महिलाओं ने ऊंचे पदों पर भी अहम भूमिका निभाई है, जैसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी। संयुक्त राष्ट्र - महिला की प्रमुख सीमा बहौस ने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण शांति स्थापित करने के सबसे प्रभावी तरीके हैं। उन्होंने बताया कि 2000 में पास किए गए प्रस्ताव के बाद यह साबित हुआ है कि महिलाओं की भागीदारी से हिंसा कम होती है और शांति लंबे समय तक टिकती है। वहीं महिला अधिकार कार्यकर्ता काव्या असोका ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कमजोर हो रहा है और सिर्फ निंदा से काम नहीं चलेगा। उन्होंने हथियारों की आपूर्ति रोकने जैसे ठोस कदम उठाने की मांग की।

अंतरिम समझौते से तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत, परमाणु मुद्दे पर कठिन फैसले टले

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने को लेकर हुए अंतरिम समझौते से ईरान को महत्वपूर्ण आर्थिक राहत मिलने जा रही है। इस 14 सूत्रीय अंतरिम समझौते ने दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर सबसे विवादित मुद्दों पर अंतिम फैसले को आगे की बातचीत के लिए टाल दिया है। अप्रैल में घोषित युद्ध विराम को अगले 60 दिनों के लिए बढ़ाया गया है, ताकि दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते पर बातचीत कर सकें। समझौते के तहत अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंधों को हटाएगा और ईरान को तेल निर्यात की अनुमति देने के लिए अस्थायी छूट देगा। इससे आर्थिक संकट से जूझ रहे ईरान को बड़ी राहत मिल सकती है।

शुरुआती समझौता ईरान के पक्ष में अधिक : ग्राजेव्स्की : इस समझौते को ईरान के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। समझौते के तहत अमेरिका ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाएगा और बंदरगाहों को खोलेगा। ईरान की फ्रीज की गई अरबों डॉलर की संपत्ति को बहाल करेगा। साथ ही युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर का निवेश कोष बनाएगा। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्लेषक निकोल ग्राजेव्स्की ने कहा कि मौजूदा समझौता तत्काल लाभों के लिहाज से ईरान के पक्ष में अधिक दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जिन कठिन कदमों की मांग कर रहा था, उनमें से कई को आगे की वार्ता के लिए टाल दिया गया है। ईरान के साथ कूटनीति के समर्थकों ने समझौते का खुस्वागत किया है। नेशनल ईरानियन अमेरिकन काउंसिल के अध्यक्ष जमाल अब्दी ने कहा कि इसे रियायत के बजाय लंबे समय से चली आ रही दबाव की नीति में बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वहीं, अमेरिका में ईरान के प्रति सख्त रुख रखने वाले समूहों ने तेल निर्यात और बैंकिंग प्रतिबंधों में ढील को लेकर चिंता जताई है। साथ ही अन्य विशेषज्ञों ने भी इसे ईरान के लिए अच्छा बताया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, ईरानी जहाज बिना किसी बाधा बंदरगाहों में दाखिल हुए हैं और बिना किसी रुकावट के सामान भी उतारा गया है। बघाई ने कहा, जब अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों डोनाल्ड ट्रंप और मसूद पेजेशकियन ने किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, तो उसका उल्लंघन करने की कीमत भी ज्यादा चुकानी होगी। ईरानी प्रवक्ता ने कहा, हमने तय किया कि बेहतर विकल्प यह है कि दोनों देशों के राष्ट्रपति किसी खास जगह पर मौजूद रहे बिना, वर्चुअली दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें। इस फैसले के कई कारण हैं, जिनमें सबसे अहम यह है कि जब दस्तावेज पर दोनों देशों के सबसे बड़े अधिकारियों के हस्ताक्षर होंगे, तो इसके उल्लंघन की कीमत भी ज्यादा होगी।

विशेष चुनाव में जीते लेबर पार्टी नेता बर्नहैम, पीएम स्टार्मर के सामने पद बरकरार रखना चुनौती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एंडी बर्नहैम ने विशेष चुनाव में जीत हासिल की है। इस जीत के बाद वे प्रधानमंत्री स्टार्मर को चुनौती दे सकते हैं। शुक्रवार को घोषित नतीजों के बाद बर्नहैम लेबर पार्टी के नेता के अलावा देश में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। बर्नहैम ने उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के मेकरफील्ड सीट पर रिफॉर्म यूके के रॉब केन्यॉन को हराया। उन्होंने वादा किया है कि यदि लोग उन पर भरोसा करते हैं, तो वह राजनीति बदल देंगे। ब्रिटेन की संसद- हाउस ऑफ कॉमन्स के 650 सांसदों में से एक राजनेता- बर्नहैम के इस दावे को बड़ा माना जा रहा है।

लेबर पार्टी के सांसदों ने मांगा स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की : बर्नहैम ने चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद कहा कि वह बदलाव की लड़ाई को जितना ऊंचा ले जा सकते हैं, ले जाएंगे। जुलाई 2024 में शानदार चुनावी जीत के बाद से स्टार्मर की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। वह आर्थिक वृद्धि, सार्वजनिक सेवाओं की मरम्मत और जीवन-यापन की लागत को कम करने में संघर्ष कर रहे हैं। वह बार-बार की गई गलतियों से भी जूझ रहे हैं। इनमें पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में राजदूत नियुक्त करने का उनका निर्णय शामिल है। मैंडेलसन जेफरी एपस्टीन के एक विवादित मित्र हैं। मई के स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद कई लेबर पार्टी के सांसदों ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की।

क्या स्टार्मर पर बढ़ रहा पद छोड़ने का दबाव : स्टार्मर ने पद छोड़ने से इन्कार कर दिया है, लेकिन उनके वरिष्ठ सहयोगी बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं। मई में वेस स्ट्रीटइंग ने स्वास्थ्य सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि जहां हमें दूरदर्शिता की आवश्यकता है, वहां एक शून्य है। मेकरफील्ड के लेबर सांसद जोश साइमन ने बर्नहैम को संसद में लौटने का अवसर देने के लिए इस्तीफा दिया। ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली गवर्निंग पार्टियों को मध्यावधि में नेता बदलने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में विजेता को राष्ट्रीय चुनाव की आवश्यकता के बिना प्रधानमंत्री बना दिया जाता है। लेबर नियमों के तहत, एक सांसद पार्टी के हाउस ऑफ कॉमन्स के एक-पांचवें यानी 81 सांसदों के समर्थन से नेता को चुनौती दे सकता है।

देश में नेतृत्व की दौड़ में कौन, बर्नहैम की दावेदारी कितनी मजबूत : स्ट्रीटइंग ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि स्टार्मर पद छोड़ने के लिए सहमत होंगे। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एक प्रतियोगिता की आवश्यकता होगी और वह इसके लिए तैयार होंगे। स्ट्रीटइंग संसदीय सहयोगियों के बीच समर्थन आधार वाले एक आश्वस्त संचारक हैं। हालांकि, बर्नहैम को स्टार्मर का अधिक संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। 56 वर्षीय राजनेता को 'किंग ऑफ द नॉर्थ' उपनाम दिया गया है। उन्होंने 2017 से मैनचेस्टर का नेतृत्व किया है। इस दौरान उन्होंने शहर के तीव्र पुनरुद्धार की देखरेख की है। मैनचेस्टर वह शहर है जहां औद्योगिक क्रांति का जन्म हुआ था। बर्नहैम राष्ट्रीय स्तर पर अपने 'मैनचेस्टरवाद' को दोहराने का वादा कर रहे हैं।

स्टार्मर का रुख और देश की राजनीति में आगे की राह कैसी : ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री स्टार्मर ने शांत रहने और अपना काम जारी रखने की कोशिश की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने इस सप्ताह फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में कहा कि यदि कोई चुनौती आती है तो वह लड़ेंगे। स्टार्मर ने 2024 में एक महत्वपूर्ण आम चुनाव जीता था।

उन्होंने बदलाव लाने के जनादेश का हवाला दिया। स्टार्मर ने बुधवार को स्काई न्यूज को बताया कि वह बर्नहैम को कैबिनेट पद की पेशकश कर सकते हैं। बर्नहैम के सहयोगियों ने संकेत दिया कि वह इसमें दिलचस्पी नहीं रखते। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रॉब फोर्ड ने कहा कि बर्नहैम के संसद में लौटने के बाद स्टारर पर दबाव का विरोध करना बहुत मुश्किल होगा। फोर्ड ने यह भी कहा कि मेकरफील्ड में रिफॉर्म यूके को हराने से बर्नहैम की लेबर की सबसे बड़ी संपत्ति होने की दावेदारी मजबूत होती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ । सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे अधिक गिरावट आईटी शेयरों में रही। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 607 अंक टूटकर 76,802 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी में भी 154 अंकों की गिरावट रही, ये 24,013 के स्तर पर बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी इंडेक्स 5.8 फीसदी नीचे आया। इसका कारण ये रहा कि उद्योग जगत की अग्रणी कंपनी एक्सेंचर ने तिमाही बिक्री का पूर्वानुमान वॉल स्ट्रीट के अनुमानों से कम बताया था। । इसके अलावा निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ा है।

बुधवार को मामूली खरीदारी करने के बाद, विदेशी निवेशकों ने गुरुवार को फिर से कैश मार्केट में 1,025 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। जिससे भी बाजार पर दवाब पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ शुरु हुआ। सुबह सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 76,706.86 पर आ गया। वहीं निफ्टी 191.45 अंक गिरकर 23,976.55 पर कारोबार कर रहा था।

बाजार में इस गिरावट का कारण एक्सेंचर द्वारा जारी कमजोर राजस्व अनुमानों के बाद वैश्विक स्तर पर आईटी कंपनियों की ग्रोथ आउटलुक पर सवाल उठने लगे, जिसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों पर देखा गया। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव आईटी सेक्टर पर रहा, जहां निफ्टी आईटी इंडेक्स में करीब 6 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई।

इस गिरावट में दिग्गज आईटी कंपनियों जैसे इंफोसिस, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर सबसे आगे रहे, जिन्होंने निवेशकों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। व्यापक बाजार में भी कमजोरी का माहौल रहा, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे थे।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरुरत, आरबीआई की वीआरआर नीलामी सुस्त

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली।

यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो।

18 जून तक उपलब्ध । । नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

बाजार में दमदार परफॉर्मेंस और लंबी बैटरी लाइफ वाले लैपटॉप उपलब्ध

नई दिल्ली

वर्तमान समय में भारतीय बाज़ार में ऐसे बेहतरीन बजट लैपटॉप उपलब्ध हैं जो छात्रों को पढ़ाई और हैवी सॉफ्टवेयर चलाने के लिए एकदम सही हैं। छात्रों के लिए इन लैपटॉप्स में इंटेल कोर आई3/आई5 और एएमडी राइजन सीरीज के लेटेस्ट प्रोसेसर दिए गए हैं, जो बिना किसी लैग के स्मूथ मल्टीटास्किंग सुनिश्चित करते हैं।सुपरफास्ट स्पीड के लिए पारंपरिक हार्ड डिस्क की जगह सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी) का उपयोग किया गया है, जिससे भारी कोडिंग ऐप्स और कंपाइलर्स कुछ ही सेकेंड्स में बूट हो जाते हैं। कोडिंग के लंबे सेशन्स और कॉलेज के प्रोजेक्ट्स के दौरान बार-बार चार्जिंग की झंझट को खत्म करने के लिए, इनमें दमदार बैटरी लाइफ मिलती है, जो आसानी से पूरे दिन का बैकअप प्रदान कर सकती है। ऑनलाइन क्लासेस और कोडिंग इंटरफेस को ध्यान में रखते हुए, इन लैपटॉप्स में एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले भी मौजूद है। यह छात्रों को आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद करता है। इन विकल्पों में आसुस वीवोबुक एस16 (असुस वीवोबुक एस 16) एक प्रमुख उदाहरण है। यह एक प्रीमियम और आधुनिक एआई-संचालित पतला और हल्का लैपटॉप है, जिसमें इंटेल कोर अल्ट्रा 5 प्रोसेसर और इंटेल एआई बूस्ट एनपीयू लगा है। यह कोडिंग, मल्टीटास्किंग और एआई-आधारित ऐप्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन देता है। इसका शानदार कूल सिल्वर मैटेलिक फिनिश और ओएलईडी (आलेड) डिस्प्ले इसे स्टाइल और परफॉर्मेंस का बेहतरीन मेल बनाता है, जिसका वजन सिर्फ 1.7 किलोग्राम है।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।न भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

टर्टलमिंट आईपीओ को पहले दिन मिला 45 फीसदी अभिदान

आईपीओ 23 जून को होगा बंद, योग्य संस्थागत खरीदारों की हिस्सेदारी सर्वाधिक भरी

नई दिल्ली

टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को बोली के पहले दिन कुल 45 प्रतिशत अभिदान प्राप्त हुआ। इस दौरान योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की तरफ से सबसे अधिक प्रतिक्रिया देखने को मिली। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी द्वारा पेशकश किए गए 3.29 करोड़ शेयरों के मुकाबले 1.48 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। क्यूआईबी श्रेणी में 73 प्रतिशत अभिदान मिला, जबकि खुदरा निवेशकों के कोटे को 29 प्रतिशत अभिदान मिला। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) की हिस्सेदारी सिर्फ एक प्रतिशत ही भर पाई, जो अक्सर पहले दिन धीमी रहती है। 883 करोड़ रुपये का यह आईपीओ 23 जून को बंद होगा। कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम के लिए 144-152 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है।जिससे ऊपरी स्तर पर इसका मूल्यांकन 4,500 करोड़ रुपये से अधिक बैठता है। इससे पहले, टर्टलमिंट ने गुरुवार को एंकर निवेशकों से 397.20 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस आईपीओ में 660.72 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा लगभग 221.95 करोड़ रुपये मूल्य के 1.46 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

बॉन्ड बाजार की शॉर्ट-टर्म खुशी पर आरबीआई का ब्रेक! महंगाई बनी चिंता

विदेशी निवेश ने बढ़ाई रौनक, पर कम अवधि वाले बॉन्ड की तेज़ी को खतरा

नई दिल्ली

विदेशी निवेशकों को लुभाने के सरकार के हालिया प्रयासों ने बॉन्ड बाजार में जबरदस्त उछाल ला दिया है, खासकर कम अवधि वाले सरकारी बॉन्ड में। हालांकि यह उत्साह अल्पकालिक साबित होसकता है क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही बाजार से अतिरिक्त नकदी को सोखने के लिए कदम उठा सकता है। बढ़ती महंगाई की चिंताएं और बैंकिंग सिस्टम में अनुमानित भारी अधिशेष नकदी, आरबीआई को सख्ती बरतने पर मजबूर कर सकती हैं,जिससे विदेशी निवेशकों की उम्मीदों पर पानी फिरने और बॉन्ड यील्ड में गिरावट पर ब्रेक लगने की आशंका है। 5 जून को सरकार द्वारा विदेशी निवेशकों के लिए बॉन्ड निवेश को आसान बनाने के बाद से, विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप, पांच साल वाले सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.49 फीसदी तक गिर गई, जो बॉन्ड की बढ़ती कीमतों का संकेत है। सरकार ने रुपये को मजबूत करने और विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी भारतीयों के लिए विशेष जमा योजनाओं और सरकारी कंपनियों को विदेशी बॉन्ड के जरिए पैसा जुटाने की छूट जैसे कई अन्य कदम भी उठाए हैं। जिससे लगभग 80 अरब डॉलर के निवेश का अनुमान है। हालांकि, इस तेजी पर अब भारतीय रिजर्व बैंक का रुख भारी पड़ सकता है। आरबीआई के लिए महंगाई एक बड़ी चिंता बनकर उभरी है।

मई में थोक महंगाई दर 9.68 फीसदी पर पहुंच गई है और कमजोर मानसून की आशंकाएं कीमतों पर और दबाव डाल सकती हैं। बैंकिंग सिस्टम में आने वाले महीनों में 8 लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त नकदी पहुंचने

का अनुमान है, जिसे रोकने के लिए आरबीआई सख्त कदम उठा सकता है।डीबीएस बैंक ट्रेजरी के प्रमुख अधिकारी के अनुसार, शॉर्ट टर्म बॉन्ड में अब और तेजी की गुंजाइश कम है। आरबीआई रिवर्स रेपो या सीआरआर बढ़ाकर बाजार से पैसा खींच सकता है, जिससे पांच साल वाले बॉन्ड की यील्ड 6.50 फीसदी के आसपास बनी रह सकती है।

फिलहाल, बैंकिंग सिस्टम में नकदी का अधिशेष घटकर 29,400 करोड़ रुपये रह गया है, लेकिन महीने के अंत तक सरकारी खर्च और आरबीआई के लाभांश भुगतान के कारण यह फिर बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में कुछ विशेषज्ञ इस साल के अंत तक आरबीआई द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना भी जता रहे हैं, जो बॉन्ड बाजार पर अतिरिक्त दबाव डालेगा और विदेशी निवेशकों के लिए कम अवधि वाले बॉन्ड में निवेश को कम आकर्षक बना सकता है।

5 दिन की हरियाली के बाद शुयर बाजार धड़ाम...आईटी स्टॉक्स में भारी गिरावट

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में लगातार पांच कारोबारी सत्रों से तेजी से निवेशकों की संपत्ति में जहां बड़ा इजाफा हुआ था, वहीं इस सप्ताह का आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार आईटी सेक्टर के निवेशकों के लिए किसी बुरे सपने जैसा साबित हुआ। भारत की दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयर ताश के पत्तों की तरह बिखर गए। इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे बड़े और भरोसेमंद शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। इस पूरी तबाही के पीछे वजह भारत की कोई घरेलू घटना नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी कंसल्टिंग कंपनी एक्सेंचर की एक सख्त चेतावनी है। एक्सेंचर के कमजोर आउटलुक ने निवेशकों को बुरी तरह डरा दिया है, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स 6.5 फीसदी तक गोता लगा गया और बाजार से कुछ ही घंटों में 1,25,981 करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

दरअसल, ग्लोबल दिग्गज कंपनी एक्सेंचर ने अपने पूरे साल की कमाई (रेवेन्यू ग्रोथ) का अनुमान घटा दिया है। पहले कंपनी को 3 से 5 प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 प्रतिशत कर दिया गया है। कंपनी ने चौथी तिमाही के लिए भी कमजोर आंकड़े पेश किए हैं। शेयर बाजार पूरी तरह से भविष्य की उम्मीदों पर चलता है। जब एक्सेंचर जैसी बड़ी कंपनी को नए ऑर्डर मिलने में सुस्ती दिख रही है, तो निवेशकों को यह डर सताने लगा है कि इसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के बिजनेस पर भी पड़ेगा। इसी खौफ के चलते निवेशकों ने अपने शेयर धड़ाधड़ बेचे।इंफोसिस सबसे ज्यादा पस्त, अन्य दिग्गज कंपनियों का भी बुरा हालइस भारी बिकवाली का असर मुख्य बाजार यानी निफ्टी 50 पर कम, लेकिन आईटी सेक्टर पर कहीं ज्यादा दिखा। मुख्य बाजार केवल 1 फीसदी गिरा, लेकिन आईटी शेयरों ने बाजार की पूरी तस्वीर बिगाड़ दी। इस मंदी में सबसे तगड़ा झटका इंफोसिस को लगा, जिसका शेयर 8.34 प्रतिशत तक टूट गया। यह गिरावट यहीं नहीं रुकी। एम्फेसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे शेयर लाल निशान में बंद हुए। यह डर सिर्फ भारतीय बाजार तक सीमित नहीं रहा। अमेरिकी बाजार में भी इंफोसिस और विप्रो के एडीआर लगभग 10 फीसदी तक टूट गए। कॉग्निजेंट 10 फीसदी गिरा, वहीं खुद एक्सेंचर का शेयर 17 फीसदी से ज्यादा क्रैश हो गया।

रुपया बढ़त पर बंद

इस बीच, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे कमजोर होकर 94.38 पर खुला, जबकि गुरुवार को यह 94.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 7 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.20 पर पहुंच गया। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में तेजी आने की उम्मीद के बीच घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अनुकूल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार से रुपया आज सकारात्मक रुख के साथ खुला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में मजबूती के साथ बढ़कर 94.20 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। ये इसके पिछले बंद भाव से 20 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 10 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ 100.92 पर रहा।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटाः रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फ्रैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

नई दिल्ली ।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एनएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई।

ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

पांच दिन की ऐतिहासिक तेजी, सेंसेक्स ने पार किया 77 हजार का आंकड़ा

मुंबई ।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंततः महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया। सप्ताह की शुरुआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया। सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया। बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी। गुरुवार को शुरुआती नरमी के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 254 अंकों की शानदार तेजी के साथ 77,409 के एक और ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ।

नोवो नॉर्डिस्क के सिस्टम में सेंधमारी, हैकर्स ने मांगी 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती

फार्मा कंपनी ने मामले को गंभीरता से लिया, जांच जारी

मुंबई ।

फार्मास्युटिकल दिग्गज नोवो नॉर्डिस्क कथित साइबर हमले की चपेट में आ गई है। हैकिंग समूह ने कंपनी से 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती मांगी थी, जिसे कंपनी ने ठुकरा दिया है। हमलावरों ने कंपनी का 1 टेराबाइट से अधिक डेटा चुराने का दावा किया है। डेनमार्क की फार्मास्युटिकल कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने इस दावे पर संज्ञान लिया है कि उसके सिस्टम से अवैध रूप से डेटा कॉपी करके ऑनलाइन प्रकाशित किया गया है।

ऐसी खबरें सामने आई हैं कि एक हैकिंग समूह ने कंपनी से 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती मांगी थी, जिसे कंपनी ने ठुकरा दिया। हैकरों ने 1 टेराबाइट से अधिक डेटा चुराने का दावा किया है।

नोवो नॉर्डिस्क ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रही है और अपने प्रमुख प्लेटफॉर्म पर सामान्य परिचालन बनाए रखते हुए लगातार अपने सिस्टम की निगरानी कर रही है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इस घटना को लेकर वह संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है और दुनिया भर में मरीजों को दवाओं तथा सहायक सेवाओं की अबाध डिलीवरी सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपने सिस्टम की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हालांकि, नोवो नॉर्डिस्क ने कथित सेंधमारी के पैमाने या प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है। कंपनी का यह बयान उन चिंताओं के बीच आया है कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को फिरौती के लिए निशाना बनाया जा रहा है, खासकर स्वास्थ्य सेवा और दवा जैसे अहम क्षेत्रों में। इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुसंधान, रोगी-संबंधित जानकारी और स्वामित्व वाले डेटा को अक्सर मूल्यवान लक्ष्य माना जाता है। हाल के समय में डेटा एक्सटॉर्शन (डेटा चुराकर फिरौती मांगने) की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, जहां हमलावर बड़े स्तर पर डेटा चोरी का दावा करके फर्मों पर फिरौती देने का दबाव बनाते हैं।

कंपनियों द्वारा अक्सर यह चेतावनी दी जाती है कि जब ऐसे दावे सार्वजनिक किए जाते हैं, तो जरूरी नहीं कि उनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि की गई हो।

नोवो नॉर्डिस्क ने इस कथित घटना के बारे में कोई तकनीकी जानकारी नहीं दी है, माना जा रहा है कि संबंधित अधिकारियों और साइबर सुरक्षा टीमों की मदद से इसकी जांच चल रही है। नोवो नॉर्डिस्क 1994 से भारत में सक्रिय है और इसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। भारत में कंपनी के 1,600 से अधिक कर्मचारी हैं।

मारुति सुजुकी ने अपने ग्राहकों के लिए पेश किया स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान

नई दिल्ली

अपने ग्राहकों के लिए मारुति सुजुकी कंपनी ने स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान नामक एक नई और सुविधाजनक रखरखाव योजना पेश की है। यह योजना निजी और व्यावसायिक दोनों प्रकार के वाहन मालिकों के लिए उपलब्ध है।

इस पहल का उद्देश्य वाहन मालिकों को सेवा और रखरखाव से जुड़े खर्चों पर बेहतर नियंत्रण देना, भविष्य में बढ़ने वाली सेवा लागतों से बचाना और वाहन स्वामित्व के अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाना है।

ग्राहक चाहें तो नया वाहन खरीदते समय ही इसे अपना सकते हैं, वहीं पहले से वाहन उपयोग कर रहे ग्राहक भी देशभर में स्थित किसी भी अधिकृत मारुति सुजुकी सेवा केंद्र से इसे खरीद सकते हैं।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका लचीलापन है। वाहन मालिक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार विभिन्न प्रकार के सेवा पैकेज चुन सकते हैं।

इनमें केवल श्रम शुल्क वाले पैकेज, पुर्जों और श्रम दोनों को शामिल करने वाले पैकेज, व्यावसायिक वाहनों के लिए विशेष रखरखाव सेवाएं तथा इंजन ऑयल और शीतलक द्रव से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं।

कुछ चुनिंदा पुर्जों जैसे क्लच और ब्रेक के लिए घिसावट और सामान्य उपयोग से होने वाले नुकसान की सुरक्षा का विकल्प भी उपलब्ध है।

कंपनी के अनुसार, इस योजना का लाभ लेने वाले ग्राहकों को श्रम शुल्क में कम से कम दस प्रतिशत तक की बचत हो सकती है

और विभिन्न पुर्जों पर भी अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिल सकता है।

चूंकि यह एक पूर्व भुगतान आधारित योजना है,

इसलिए ग्राहक सेवा पैकेज खरीदते समय ही भविष्य के रखरखाव खर्च को तय कर सकते हैं, जिससे आने वाले वर्षों में सेवा शुल्क बढ़ने की स्थिति में भी उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

निजी वाहन मालिक दो वर्ष या बीस हजार किलोमीटर से लेकर दस वर्ष या एक लाख किलोमीटर तक के विकल्प चुन सकते हैं, जबकि व्यावसायिक वाहनों के लिए यह सुविधा दस वर्ष या एक लाख साठ हजार किलोमीटर तक उपलब्ध होगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा है कि यह योजना ग्राहकों को अधिक विकल्प, बेहतर सुविधा और खर्चों में पारदर्शिता उपलब्ध कराएगी, जिससे वाहन स्वामित्व को आसान बनाने में मदद मिलेगी।

यशस्वी का शतक, प्रसिद्ध का पंजा; भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीती

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का शानदार समापन करते हुए तीसरे और अंतिम मुकाबले में 9 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में शनिवार को खेले गए मैच में भारत ने 219 रनों का लक्ष्य महज 28.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

भारत की जीत के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा रहे। यशस्वी ने नाबाद 110 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

यशस्वी-रोहित ने आसान बनाया लक्ष्य

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने अफगान गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए पहले विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की।

रोहित शर्मा ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्हें मोहम्मद नबी ने सेदिकुल्लाह अटल के हाथों कैच कराया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर ने कोई जोखिम नहीं लिया और टीम को जीत तक पहुंचाया।

यशस्वी ने 86 गेंदों में नाबाद 110 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगान बल्लेबाजी की कमर तोड़ी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने दूसरे ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार झटके देते हुए रहमत शाह (5), इब्राहिम जादरान (11) और दरविश रसूली (11) को भी पवेलियन भेज दिया। महज 36 रन पर चार विकेट गंवाकर अफगानिस्तान संकट में आ गया था।

हालांकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और अजमतुल्लाह उमरजई ने पांचवें विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की। उमरजई ने 56 गेंदों में 50 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

उमरजई के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी फिर लड़खड़ा गई। मोहम्मद नबी 21 रन बनाकर आउट हुए, जबकि राशिद खान केवल 5 रन ही बना सके।

शाहिदी का पहला वनडे शतक भी नहीं बचा सका टीम को

एक छोर पर डटे कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक पूरा किया। उन्होंने 131 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। शाहिदी की इस जुझारू पारी की बदौलत अफगानिस्तान 44.2 ओवर में 218 रन तक पहुंच सका।

भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे सफल गेंदबाज रहते हुए 5 विकेट लिए। वहीं हर्ष दुबे, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

भारत ने पूरे दौरे में दिखाया दबदबा

भारतीय टीम इससे पहले धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में 7 विकेट और लखनऊ में दूसरे मुकाबले में 170 रनों से जीत दर्ज कर चुकी थी। चेपॉक में मिली जीत ने सीरीज में भारत का दबदबा पूरी तरह साबित कर दिया।

इस मैच में भारत ने अर्शदीप सिंह, केएल राहुल और कुलदीप यादव को आराम दिया था, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्ष दुबे की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड और मजबूत

वनडे क्रिकेट में भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक 7 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें भारत ने 6 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला टाई रहा। अफगानिस्तान अब भी भारत के खिलाफ अपनी पहली वनडे जीत की तलाश में है। चेपॉक में मिली हार के बाद यह इंतजार और लंबा हो गया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की चिली पर बड़ी जीत, नेशंस कप के फाइनल में बनाई जगह

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 के सेमीफाइनल में चिली के खिलाफ 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है।

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए नवनीत कौर ने (छठे, 13वें), दीपिका ने (14वें, 18वें), नेहा ने (32वें) और रुतुजा दादासो पिसाल ने (39वें) मिनट में गोल किए। कप्तान सलीमा टेटे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ़ द मैच% चुना गया। भारत का फाइनल में मुक़ाबला अमेरिका और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

खेल की अच्छी शुरुआत के बाद, जिसमें भारत ने शुरुआती दौर में गेंद पर अपना कब्ज़ा बनाए रखा, उन्हें छठे मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत ने इस मौके का फायदा उठाया और उनके शॉट ने गोल के कोने में जाकर भारत को बढ़त दिलाई। भारत ने 13वें मिनट में अपनी बढ़त और मजबूत की।

सलीमा ने बाईं ओर से शानदार दौड़ लगाई और क्रॉस दिया, जिससे नवनीत को चिली के गोल पोस्ट के सामने बिना किसी रुकावट के गेंद को डिफ्लेक्ट करके अपना दूसरा गोल करने का मौका मिला। ड्रैगफ्लिकर दीपिका ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए भारत की बढ़त को और बढ़ाया और 18वें मिनट में सेट-पीस से एक और गोल करके स्कोर तेजी से 4-0 कर दिया।

दीपिका के इन दो गोलों के साथ वह टूर्नामेंट में छह गोल करके सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गईं। 4-0 की मज़बूत बढ़त के साथ दूसरे हाफ़ में पहुंचने के बाद भारत ने चिली की टीम पर दबाव बनाना जारी रखा। नेहा ने 32वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे भारत की बढ़त 5-0 हो गई और शॉर्ट-कॉर्नर को गोल में बदलने का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। 39वें मिनट में रुतुजा दादासो पिसाल ने भी गोल करने वालों की लिस्ट में अपना नाम जोड़ा; उन्होंने ओपन प्ले से रिवर्स हिट लगाकर गोल किया और स्कोर 6-0 कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में चिली की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने सविता को चुनौती दी और उन्होंने कुछ शानदार बचाव किए। हालांकि, चिली की खिलाड़ी उन्हें पार नहीं कर सकीं और भारत ने आखिरी मिनटों में अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में वैभव सूर्यवंशी पर होगी सबकी नजर

दांबुला (एजेंसी)। 21 जून इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच ट्राई नेशन ए सीरीज का बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार को दांबुला में खेला जाएगा। इस मुकाबले में एक बार फिर सभी की निगाहें युवा भारतीय सनसनी 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर टिकी होंगी। इस फाइनल से पहले, पिछली बार जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तो वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। वह मुकाबला सुपर ओवर तक खिंचा था, जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, और उसी दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या फाइनल में श्रीलंकाई खिलाड़ी एक बार फिर वैभव को निशाने पर लेंगे? इस सवाल का जवाब खुद श्रीलंका ए के कप्तान ने दिया है। पिछली भिड़ंत में, इंडिया ए की सुपर ओवर में हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए

के खिलाड़ी विशेन हालंबगे के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें वैभव ने हालंबगे को धक्का भी दे दिया था। इस घटना के बाद, कई रिपोर्टों में सामने आया कि हालंबगे लगातार वैभव को चिढ़ा रहे थे और ट्राई-नेशन सीरीज की शुरुआत से ही दोनों खिलाड़ियों के बीच मौखिक झड़पें हो रही थीं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हालंबगे ने भारतीय बल्लेबाज से कई बातों के अलावा यह भी कहा था, घर जाओ, यह आईपीएल नहीं है। या कुछ इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसने स्थिति को और गरमा दिया था।

टी20 विश्व कप: भारत-साउथ अफ्रीका की ऐतिहासिक भिड़ंत, भारत की हैट्रिक पर नजरें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रविवार को एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा। लगातार दो मैच जीतने के बाद विमेन इन ब्लू की नजरें हैट्रिक लगाने पर हैं। यह मैच ऐतिहासिक है क्योंकि विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की यादें भी ताजा करता है, जहां भारत ने साउथ अफ्रीकी टीम को हराकर ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, रविवार का मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप का सिर्फ एक ग्रुप-स्टेज मैच है, लेकिन यह प्रोटियाज टीम के लिए बदला लेने और नॉकआउट स्टेज की ओर एक निर्णायक कदम उठाने का मौका है। हाल के वर्षों में महिला क्रिकेट में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच एक जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है, और रविवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में ग्रुप 1 के इस अहम मुकाबले में इस प्रतिद्वंद्विता का एक और अध्याय लिखा जाएगा।

भारत ने इस वर्ल्ड कप में दमदार शुरुआत की है। अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 64 रन से हराया, और फिर नीदरलैंड को 95 रन से मात दी। इन दो लगातार जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के शुरुआती दावेदारों में खुद को मजबूती से स्थापित कर लिया है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। वहीं, दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की शुरुआत मिली-जुली रही है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों 65 रन से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2 विकेट से जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए काफी अहम थी और अब उन्हें ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत के खिलाफ भी जीत दर्ज करनी होगी।

हालांकि दोनों देश विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के सभी 10 संस्करण में खेले हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि टूर्नामेंट में यह उनका पहला मुकाबला होगा। दोनों देशों के बीच टी20 फॉर्मेट में कुल 24 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 11 और साउथ अफ्रीका ने 10 मैच जीते हैं, जबकि तीन मैच बेनतीजा रहे हैं। हालांकि, हाल के मुकाबलों में साउथ अफ्रीका को ज्यादा सफलता मिली है, उन्होंने पिछले 15 टी20 मुकाबलों में से 9 में जीत हासिल की है। यह आंकड़ा इस बात का सबूत है कि भले ही भारत का पलड़ा भारी दिखता हो, लेकिन प्रोटियाज टीम कड़ी चुनौती पेश करने में सक्षम है।

सैबारी ने दूसरे मिनट में गोल करके मोरक्को को दिलाई जीत

फॉक्सबोरो (मैसाचुसेट्स)। इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को के कोच मोहम्मद ओउहबी ने कहा, 'हमें तीन अंक चाहिए थे और हमें मिल गए।' मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की। 25 वर्षीय फॉरवर्ड ने गेंद को लपकते ही गोलकीपर एंगस गन की पहुंच से काफी दूर नेट ऊपरी बाएं कोने में जोरदार शॉट लगाकर अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। कतर में खेले गए पिछले विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली मोरक्को की टीम ने ग्रुप सी का अपना पहला मैच ब्राजील के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था, जिसमें सैबारी ने उसकी तरफ से एकमात्र गोल किया था। स्कॉटलैंड ने अपने पहले मैच में हैती को 1-0 से हराया था लेकिन मोरक्को की मजबूत रक्षात्मक पंक्ति के सामने उसे स्पष्ट मौके बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करने के बावजूद स्कॉटलैंड के कोच स्टीव क्लार्क ने कहा, 'हमने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हमें पूरा भरोसा है कि हम इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।'

फीफा विश्व कप : मैथियस कुन्हा के दो गोल से ब्राजील ने हैती को बाहर का रास्ता दिखाया

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दो गोल में से एक में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने शुक्रवार रात को हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है। वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है।

दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। उन्होंने दो गोल करके यह साबित कर दिया कि ब्राजील और मोरक्को के बीच 1-1 से नीरस ड्रॉ छूटे पहले मैच में उन्हें शुरुआती लाइनअप में नहीं रखना कितनी बड़ी

गलती थी।

ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने पहले मैच में चौंकाने वाला फैसला लेते हुए कुन्हा को काफी देर बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा था। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राजील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी।

विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था। इससे पीले रंग की जर्सी पहने सेलेकाओ (ब्राजील की टीम) के प्रशंसकों का उत्साह कुछ समय के लिए ही कम हुआ, लेकिन कुन्हा ने जल्द ही उन्हें झूमने के लिए मजबूर कर दिया। राफिन्हा को चोट के कारण पहले हाफ में ही बाहर होना पड़ा था।

हैती के प्रशंसकों ने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के पारंपरिक युद्धघोष 'ग्रेनेडियो अलासो' (ग्रेनेडियर्स आक्रमण पर) पर नृत्य किया और गीत गाए। ब्राज़ील के प्रशंसकों ने जवाब में नारे लगाए और हैती के प्रशंसकों को याद दिलाया कि उनका देश पांच बार का विश्व कप चैंपियन है और फुटबॉल के बादशाह का घर है। वह कह रहे थे, 'हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल। सिर्फ पेले, सिर्फ पेले, सिर्फ पेले' ने किए हैं।

महिला टी-20 विश्व कप : न्यूजीलैंड ने रोमांचक जीत से खोला खाता, भारत ग्रुप-ए में शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली । आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में आखिरकार डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 4 रनों से जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोल लिया है। वेस्टइंडीज और श्रीलंका से मिली शुरुआती दो हार के बाद कीवी टीम के लिए यह जीत बेहद जरूरी थी, हालांकि आयरलैंड ने उन्हें अंत तक कड़ी टक्कर दी। इस जीत के बावजूद, न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना अभी भी काफी कठिन है, क्योंकि उन्हें अपने बचे हुए मैचों में शानदार प्रदर्शन करना होगा और अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। वहीं, दूसरी ओर भारतीय टीम ने ग्रुप-ए में अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी है। ग्रुप-बी के पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो न्यूजीलैंड इस जीत के साथ चौथे पायदान पर पहुंच पाई है। उनके ऊपर स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमें हैं। स्कॉटलैंड ने इस टूर्नामेंट में अभी तक दो मैच खेले हैं, जिसमें एक में उसे जीत मिली है और वेस्टइंडीज के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जिससे वह तीसरे पायदान पर है। इंग्लैंड पहले और वेस्टइंडीज दूसरे स्थान पर काबिज हैं, दोनों ही टीमें अपने सभी मैच जीत चुकी हैं। सेमीफाइनल के लिए प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष-2 टीमें क्वालीफाई करेंगी, ऐसे में न्यूजीलैंड के लिए चुनौती काफी बड़ी है। न्यूजीलैंड को अपने बचे हुए दो मुकाबले स्कॉटलैंड और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों से खेलने हैं। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें हर हाल में ये दोनों मैच जीतने होंगे। एक भी गलती उन्हें टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा सकती है, और इन दो मैचों को जीतने के बाद भी उन्हें दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ सकता है।

बहस के दौरान मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बने अलमिरोन

सांता क्लारा (अमेरिका)। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच शुक्रवार रात को खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया। पराग्वे के कोच गुस्तावो अल्फारो ने कहा, 'नए नियम के अनुसार अगर आप मुंह ढकते हैं तो आपको मैदान से बाहर कर दिया जाएगा। मैं इसको लेकर कुछ नहीं कर सकता। हम इस पर कोई राय नहीं दे सकते।'

क्रिकेटर आकाश दीप और मुकेश कुमार बने बिहार में डीएसपी

-सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

नई दिल्ली । भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके तेज गेंदबाज आकाश दीप और कुछ मैचों में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर चुके मुकेश कुमार को बिहार सरकार ने स्पोर्ट्स कोटा के तहत पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद के लिए अनुशंसित किया है। इस महत्वपूर्ण जानकारी को स्वयं आकाश दीप ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से साझा किया, जिसके बाद यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और मिश्रित प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। यह नियुक्ति बिहार सरकार की खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की नीति का हिस्सा मानी जा रही है। आकाश दीप ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बिहार सरकार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्रशंसा करते हुए लिखा, अभिभूत हूं, विभोर हूं। बिहार सरकार द्वारा आज मुझे और मेरे साथी क्रिकेटर मुकेश को पुलिस उपाधीक्षक पद हेतु अनुशंसित किए जाने के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री अग्रज श्री सम्राट चौधरी एवं खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह जी को कोटिश : धन्यवाद। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे लिखा, आपकी खेल को प्रोत्साहन और खिलाड़ियों को सम्मान देने की नीति युवाओं को खेल में चमकने को प्रेरित करेंगी। जय भारत, जय बिहार। यह पोस्ट बिहार के क्रिकेट जगत में खुशी और गर्व का माहौल लेकर आया, लेकिन इसके नीचे की प्रतिक्रियाएं काफी दिलचस्प रहीं। भले ही आकाश दीप और मुकेश कुमार को स्पोर्ट्स कोटा के तहत यह प्रतिष्ठित पद दिया गया हो, लेकिन कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर सवाल उठाते हुए लिखा कि सब पोस्ट आप ही लोग ले लीजिएगा तो बेरोजगार लोग क्या करेंगे? इस तरह की टिप्पणियों और ट्रोलिंग से नियुक्ति के तरीके और सरकारी नौकरियों के वितरण को लेकर समाज में चल रही बहस एक बार फिर सामने आ गई। फिलहाल, मुकेश कुमार और आकाश दीप दोनों ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन वे आईपीएल में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं।

टीम इंडिया को बड़ा झटका:हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है।

हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दर्शाता है। उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी। हार्दिक, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि टीम को उनकी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढना होगा जो उनकी ऑलराउंड क्षमता की भरपाई कर सके, जो एक बड़ी चुनौती होगी। उनकी लगातार चोटें न केवल उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बाधित कर रही हैं, बल्कि टीम के दीर्घकालिक योजनाओं पर भी असर डाल रही हैं।

दूसरी ओर, विराट कोहली की फिटनेस पर संदेह ने भी टीम प्रबंधन को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह चिंता का विषय है क्योंकि कोहली टीम की बल्लेबाजी रीढ़ की हड्डी हैं। उनके अनुभव और मैच जिताने की क्षमता को देखते हुए, उनकी किसी भी तरह की अनुपस्थिति या कम फिटनेस टीम के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चयनकर्ता संभवतः उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए होंगे और अंतिम निर्णय से पहले उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।

हालांकि, टीम के लिए कुछ राहत भरी खबर भी है। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, वापसी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए चुनी जाने वाली वनडे टीम के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किए गए हैं। इन सभी फिट खिलाड़ियों की सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) रिपोर्ट चयनकर्ताओं को भेज दी गई है। राहुल और पंत की वापसी टीम को बल्लेबाजी में गहराई और अनुभव प्रदान करेगी, जबकि बुमराह की तेज गेंदबाजी टीम के आक्रमण को धार देगी। ध्रुव जुरेल, जिन्होंने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है, अपनी युवा ऊर्जा और प्रतिभा के साथ टीम में एक नया आयाम जोड़ सकते हैं।

इन फिटनेस अपडेट्स के साथ, चयनकर्ताओं को अब हार्दिक पंड्या की जगह एक उपयुक्त ऑलराउंडर और विराट कोहली की

स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी क्रम में संभावित बदलावों पर विचार करना होगा। इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, और ऐसे में प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति या फिटनेस संबंधी चिंताएं टीम के लिए एक कठिन परीक्षा पेश करती हैं। टीम प्रबंधन और कोच राहुल द्रविड़ को इन चुनौतियों का सामना करते हुए एक संतुलित और मजबूत टीम का चयन करना होगा जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

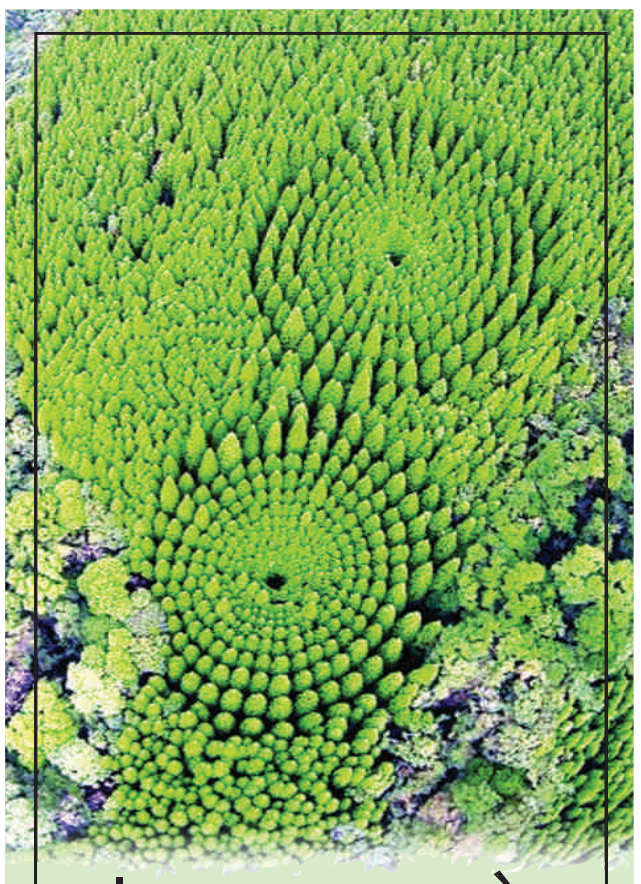

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुमेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चड़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

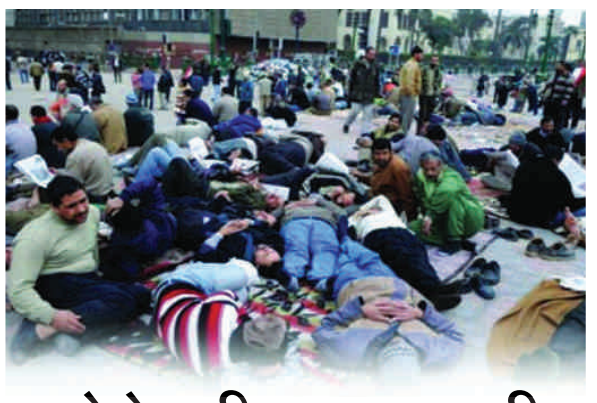

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते. कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं. बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.

इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को टिवटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

संपादकः अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस डी-85, न्यू अशोक अगर, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथ मोती वाग,पो. चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।